श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 247, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 03 अक्टूबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

आंखों में आंसू, बगल में बेटी और तन पर भीगे कपड़े पहने बोली महिला- अई हो रमऊ इ का हुई गवा

कानपुर की 'काल' रात

कानपुरः कानपुर में साढ़-भीतरगांव मार्ग पर शनिवार रात एक ऐसा भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसके दर्द को अब लंबे समय तक भुला पाना मुश्किल होगा। मुंडन कराकर लौट रहे लोगों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पानी भरी खंती में जा गिरी। हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई। तीन घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद खंती से सभी को बाहर निकाला गया। हादसा इतना विभत्स था कि जिसने भी देखा उनके रोंगटे खड़े हो गए। ट्रैक्टर पर आगे बैठे सभी मर्द चंद्रिका देवी मंदिर से निकलते ही ट्रैक्टर हाइवे किनारे स्थित एक ठेके पर रोक दिए। ट्रॉली में बैठीं सभी महिलाएं, बच्चियां और बच्चे उन्हें शराब पीने से मना करते रहे, लेकिन कोई नहीं माना। शराब पीने के बाद राजू चाचा ट्रैक्टर बहुत तेज चलाने लगे। गांव से पांच किलो मीटर पहले पहुंचे ही थे कि ट्रैक्टर ट्रॉली एक गड्ढे में पड़ने ही अनियंत्रित हो गई। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता सड़क किनारे ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। ट्राली में बैठीं सभी महिलाएं और बच्चे उसके भीतर कैद हो गए। इसके बाद वहां चीख पुकार मच गई। ये बात बात बताते हुए ट्रॉली में सवार राजा राम निषाद की बेटी प्रीति फफक कर रो पड़ी। वो कहे जा रही थी। सब लोगों ने मना किया, लेकिन किसी ने एक न सुनी। अगर लोग मान जाते तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता।

अई हो रमऊ इ का हुई गवा। अब हम का करीं .... हम नाहीं जानीन की ई हुई जाई। हमां बेटवा कहां है। आंख में आंसू, बगल में बेटी और शरीर पर भीगे हुए कपड़े पहने एक महिला अपने पति राजू और मासूम बेटे अभी की तलाश में टकटकी लगाते देख रही थी। हर आने जाने वालों को देखते हुए पति और बच्चे के बारे में पूछते हुए दिखाई। वह भगवान कोसते हुए कह रही थीं कि दो बेटियों के बाद काफी मन्नत मांगने पर अभी पैदा हुआ था। मुंडन संस्कार के लिए पूरा परिवार गया था। हादसे में पूरा परिवार बिखर गया। न ही मेरे बेटे का पता चल रहा है और न ही पति का। कोई मेरे बेटे और पति से मिला दे। ये कहते हुए चिंघाड़ मारकर रो रही थी। हादसे के बारे में पूछते ही वह फफक पड़ती थी। वहीं बेटी का भी रो-रोकर बुरा हाल था।

हर तरफ चीख पुकार मची

हादसे की सूचना जब गांव पहुंची तो सैकड़ों ग्रामीणों का घटना स्थल पर मजमा लग गया। अपने की तलाश में लोग शवों के पीछे पीछे भागते हुए दिखाई दिए। हर तरफ चीख पुकार मची हुई थी। लोग दहाड़े मारकर रो रहे थे तो कुछ लोगों को शांत कराने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन वह खुद अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे।

परिजनों और ग्रामीणों की चीत्कार सुनकर वहां मौजूद लोगों की भी आंख से आंसू झलक पड़ रहे थे।

जनहानि को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करके जनहानि को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है। इसके लिए आमजन, सरकार और मीडिया को आगे आना होगा। स्कूल कालेजों और संस्थाओं में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। जो वाहन जिस कार्य के लिए हैं, उनका इस्तेमाल उसके लिए ही किया जाए। कानपुर के घाटमपुर में हुए हादसे में 26 महिलाओं व बच्चों तथा चकेरी में हाईवे पर हुए हादसे में पांच लोगों की मौत का जिक्र करते हुए उन्होंने दुख जताया। एलएलआर अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलकर हाल जाना और अफसरों को दिशा निर्देश भी दिए।

दुख की घड़ी में सरकार आपके साथः उनका हेलीकाप्टर रविवार की दोपहर 12:58 बजे पुलिस लाइन हेलीपैड पर उतरा और वह यहां से सीधे एलएलआर अस्पताल पहुंचे। सीएम ने एलएलआर हैलट अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती घायलों से मुलाकात की।पीड़ितों से उन्होंने शोक संवेदना भी व्यक्त की। बोले, घबराएं मत। दुख की इस घड़ी में सरकार आपके साथ है।

गेहूं, आटा और चावल की कीमतें नियंत्रण में: केंद्र

नई दिल्लीः सात महीने से जारी रूस- यूक्रेन युद्ध के बीच पूरी दुनिया में खाद्यान्न संकट गहरा गया है। दुनिया में खाद्यान्न और ईंधन की कीमतों में बड़ा उछाल आया है। यह दुनिया के समक्ष बड़ी चुनौती है। इस बीच केंद्र सरकार ने रविवार को लोगों की आशंकाओं का समाधान करते हुए कहा कि देश में पर्याप्त खाद्यान्न भंडार उपलब्ध है गेहूं, आटा और चावल की कीमतें नियंत्रण में हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि सरकार नियमित रूप से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों की निगरानी करती है और जब भी आवश्यक हो, सुधारात्मक उपाय भी करती है। युद्ध और महामारी के दौर में भी भारत ने ऐसे संकट के समय भी अफगानिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका, यमन और कई अन्य देशों को खाद्यान्न की आपूर्ति की।

बिहारः अब कृषि मंत्री ने भी दिया इस्तीफा

नीतीश के कृषि मंत्री सुधाकर ने कहा था मेरे विभाग में चोर हैं, मैं सरदार

पटनाः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नाराजगी के बाद बिहार के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने रविवार को डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को अपना इस्तीफा सौंपा है। उन्होंने कहा था मेरे विभाग में चोर हैं और मैं उन चोरों का सरदार। अपने बयानों को लेकर वो लगातार विवादों में चल रहे थे। महागठबंधन की सरकार में 32 दिन में ये दूसरे मंत्री का इस्तीफा है। दोनों ही राजद कोटे के मंत्री थे। इससे पहले 31 अगस्त को पूर्व कानून मंत्री कार्तिक सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। वो अपहरण के एक केस में कोर्ट की नजर में फरार थे। अब कृषि मंत्री ने अपना त्याग पत्र दिया है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा है कि बिहार के कृषि मंत्री ने अपना त्याग पत्र बिहार सरकार को दे दिया है। हम नहीं चाहते हैं कि कोई लड़ाई आगे बढ़े। किसान और जवान की भूमिका को कभी नकारा नहीं जा सकता है। आज के दिन बिहार के कृषि मंत्री ने अपना त्याग पत्र भेज दिया है ताकि सरकार अच्छी तरह से चल सके। सुशील मोदी ने ट्वीट कर लिखा है कि 2 माह में बिहार सरकार का दूसरा विकेट गिरा। अभी नीतीश कुमार की और फजीहत होना बाकी है। यह लड़ाई अब जगता बाबू बनाम नीतीश कुमार की लड़ाई में बदल गई है। अगला विकेट जगता बाबू का भी हो सकता है? बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि बिहार में किसान परेशान है। उन्होंने कृषि विभाग के भ्रष्टाचार को उठाया था। सरकार में अफसरशाही हावी है। नीतीश तेजस्वी के जेल जाने का इंतजार कर रहे हैं। और तेजस्वी मुख्यमंत्री बनने का।

कृषि मंत्री सुधाकर सिंह से सीएम नीतीश नाराजः नई नीतीश-तेजस्वी सरकार में कृषि विभाग के मंत्री सुधाकर सिंह के उस बयान जिसमें उन्होंने अपने विभाग के अफसरों को चोर और खुद को चोरों का सरदार कहा था, से बवंडर जैसी स्थिति है।

सेना में शामिल होंगे स्वदेशी 15 लाइट कॉम्बेट चॉपर

नई दिल्लीः देश में ही विकसित लाइट कॉम्बेट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) सैन्य बलों में शामिल होने जा रहा है। यह पहला मौका होगा जब वायु सेना और थल सेना दोनों ही एलसीएच को ऑपरेट करेंगी। 3 अक्टूबर को भारतीय वायु सेना 90वें वायु सेना दिवस से पहले जोधपुर में औपचारिक रूप से 10 एलसीएच को शामिल करने जा रही है। बाकी 5 थलसेना को दिए जाएंगे। आर्मी एविएशन के लेफ्टिनेंट जनरल एके सूरी ने बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से पहला एलसीएच प्राप्त किया। यह हेलीकॉप्टर कम गति के वायुयानों से लेकर ड्रोन से जैसे ऑब्जेक्ट को भी मार गिराएगा।

दो दशक पुरानी है एलसीएच की मांगः करीब 3885 करोड़ रुपए की लागत से बने 15 एलसीएच फौज में 3 अक्टूबर को शामिल हो रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जोधपुर के एयरबेस पर ये हेलीकॉप्टर शामिल करेंगे।

राहतः खाद्य तेलों की कीमतों में नहीं होगी वृद्धि

नई दिल्लीः केंद्रीय खाद्य मंत्रालय में रविवार को कहा कि विशिष्ट खाद्य तेलों पर जारी रियायती आयात शुल्क मार्च 2023 तक जारी रहेगा। सरकार की ओर से यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब वैश्विक अस्थिरता के चलते देश में महंगाई 7 प्रतिशत पर बनी हुई है। इससे खाद्य तेलों की कीमतें कम रखने में सरकार को मदद मिलेगी। बता दें, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की ओर से 31 अगस्त 2022 को ये निर्णय लिया था, जिससे देश में खाद्य तेल की आपूर्ति को बढ़ाया जा सके। ताजा बयान में खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि विशिष्ट खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में छूट मार्च 2023 तक जारी रहेगी।

कम हो रही खाद्य तेलों की कीमतेंः मंत्रालय ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर खाद्य तेलों की कीमतों में कमी आने के कारण देश में भी कीमतें तेजी से नीचे जा रही हैं। इसके कारण भारत में रिटेल खाद्य तेलों की कीमतों में भी गिरावट आ रही है। क्रूड पाम ऑयल, आरबीडी पामोलिन, आरबीडी पाम ऑयल, क्रूड सोयाबीन ऑयल, रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, क्रूड सनफ्लावर ऑयल और रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल पर मौजूदा शुल्क संरचना में 31 मार्च 2023 तक कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

खाद्य तेलों शून्य है आयात शुल्कः मौजूदा समय में पाम ऑयल, सोयाबीन ऑयल और सनफ्लावर ऑयल पर आयात शुल्क शून्य है।

वहीं, अगर पांच प्रतिशत एग्री सेस और उस पर 10 प्रतिशत सोशल वेलफेयर सूचकांक को मिला लिया जाए, तो इन तीनों खाद्य तेलों पर 5.5 प्रतिशत का कर लिया जा रहा है।

आईबी रिपोर्ट में गुजरात में आप की सरकार बन रहीः केजरीवाल

अहमदाबादः दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दावा किया कि खुफिया ब्यूरो की रिपोर्ट बता रही है कि अगर आज चुनाव होते हैं तो आम आदमी पार्टी (आप) गुजरात में सरकार बनाने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पार्टी के बीच टक्कर रहेगी इसलिए गुजरात के लोगों को बड़ा धक्का देने की जरूरत है।केजरीवाल ने कहा कि सूत्रों के मुताबिक आईबी की रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट में लिखा है कि अगर आज चुनाव हुए तो गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी। हालांकि रिपोर्ट में लिखा है कि अभी यह मामूली अंतर के साथ है। हम बहुत कम सीटों के साथ आगे हैं। गुजरात के लोगों को एक बड़ा धक्का देना होगा ताकि आप की सरकार आरामदायक बहुमत के साथ बन सके।

आईबी रिपोर्ट आने के बाद भाजपा और कांग्रेस ने हाथ मिला लियाः आप नेता ने कहा कि जब से यह आईबी रिपोर्ट आई है।

2024 आम चुनाव के लिए बीजेपी की नई योजना क्या?

मिशन 2024: चाय के बाद अब ट्रेन में चर्चा

नई दिल्लीः भारत में लोकसभा चुनाव को अभी 18 महीने से ज्यादा का समय बचा है। हालांकि, राजनीतिक दलों ने इसके लिए तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। जहां कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के जरिए दक्षिण से लेकर उत्तर तक चुनावी अभियान की शुरूआत कर दी है। उधर कांग्रेस से इतर बाकी विपक्षी पार्टियों ने भी लोकसभा चुनावों के लिए एकजुटता को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है। संयुक्त विपक्ष की इस मुहिम को बढ़ावा दे रहे हैं जदयू के नेता नीतीश कुमार और राकांपा प्रमुख शरद पवार। विपक्ष की इन तैयारियों को देखते हुए अब भाजपा ने भी 2024 चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। उसकी इन्हीं तैयारियों का हिस्सा है- 'ट्रेन में चर्चा' अभियान, जिसकी जानकारियां हाल ही में सामने आई हैं।

नए ट्रेन में चर्चा अभियान को पार्टी कैसे आगे बढ़ाएगी?: रिपोर्ट्स की मानें तो भाजपा ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश में इस अभियान के पायलट प्रोजेक्ट के तहत कार्यकर्ताओं की टीमों का गठन भी शुरू कर दिया है। इन टीमों में शामिल लोगों को विशेष ट्रेनिंग दी गई है, ताकि वे ट्रेन में जनरुचि से जुड़े मुद्दों पर चर्चाएं शुरू करा सकें। बाद में यही कार्यकर्ता बहस वाले मुद्दों पर भाजपा की उपलब्धियों, जातीय-सांप्रदायिक समीकरणों और उम्मीदवारों के विकल्प पर भी सहयात्रियों से बात करेंगे।

चुनाव पर चर्चा। हालांकि, रेलगाडियों में किसी विज्ञापन के इस्तेमाल के जरिए नहीं, बल्कि इन ट्रेनों में सफर करने वाले अपने कार्यकर्ताओं के जरिए। पार्टी को उम्मीद है कि वह ट्रेन में सफर कर रहे अपने कार्यकर्ताओं के जरिए योजनाओं का प्रचार ज्यादा प्रभावी ढंग से कर सकती है।

बापू के पदचिह्नों पर चलना मुश्किलः राहुल

कर्नाटकः भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के बदनवालु में खादी ग्रामोद्योग में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सत्ता में बैठे लोगों के लिए महात्मा गांधी की विरासत को हथियाना आसान है, लेकिन उनके पदचिह्नों पर चलना मुश्किल है। राहुल ने कहा, महात्मा गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा ने पिछले आठ वर्षों में देश में असमानता और विभाजन को जन्म दिया है। उन्होंने कहा, इन लोगों ने कड़ी मेहनत से हासिल की गई आजादी का क्षरण किया है। हम भारत के उस महान सपूत को याद करते हैं और श्रद्धांजलि देते हैं। हमारी याद इस तथ्य से और अधिक मार्मिक हो जाती है कि हम भारत जोड़ो यात्रा के 25 वें दिन में हैं। यह एक पदयात्रा है, जिसमें हम उनके अहिंसा, एकता, समानता और न्याय के रास्ते पर चल रहे हैं।

खबर संक्षेप

जिला अपराध निरोधक कमेटी के सदस्यों ने पुलिस के साथ क्षेत्र में किया भ्रमण

नैनी। जिला अपराध निरोधक कमेटी के सदस्यों ने यूथ टीम यमुनापार के द्वारा पुलिस प्रशासन के साथ एडीए पुलिस चौकी से रामलीला मैदान महर्षि स्कूल,व अन्या क्षेत्रों में भ्रमण किया गया। वही दुर्गा पंडाल और रामलीला ग्राउंड में भी भ्रमण किया गया। जिसमे एडीए चौकी प्रभारी जनमेजय, एस आई प्रेम कान सिंह, एसआई सर्वेश कुमार, सिपाही इंद्रजीत सिंह सिपाही चेतन कुमार,शामिल थे। अधिकारी संदीप चंद्र श्रीवास्तव क्षेत्रीय प्रभारी सोनू भारतीय और सदस्य रवि सोनी भी थे। वही भ्रमण करने वालों में जिला अपराध निरोधक समिति से यूथ टीम क्षेत्रीय प्रभारी शनि श्रीवास्तव,सदस्य बबलू अली, सदस्य राजेश कुमार, सदस्य विकास कुमार सिंह, सदस्य रोहित रावत, सदस्य राम कुमार पाल, सदस्य सुजीत गौतम, सदस्य सोहनलाल पांडेय, सदस्य शनि निषाद, रामलीला कमेटी मंडल से विजय कांत त्रिपाठी उर्फ गुड्डू भाई एवं यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा के निर्देशन में सभी सदस्यगण मौजूद रहे।

हादसा : विद्युत विभाग की लापरवाही से मौत के मुंह में समाई महिला

महिला के ऊपर टूटकर गिरा 440 वोल्ट जर्जर विद्युत तार, झुलसकर हुई मौत

अखंड भारत संदेश

उतराव क्षेत्र के सराय युसुफ गांव में हुआ हादसा, धान पीटकर वापस आ रही थी अपने घर विभाग के अधिकारी ने पांच लाख आर्थिक मदद एक माह के अंदर दिलाने का दिया भरोसा

महिला की मौत के बाद मौके पर उपस्थित पुलिस व विधुत विभाग के अधिकारी

फूलपुर। उतरांव थाना क्षेत्र के सराय युसुफ गांव में बिजली विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही से एक बार फिर एक महिला मौत के मुंह में समा गई। यदि बिजली विभाग सक्रिय रहता तो महिला की जान ना जाती। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिजली विभाग के अधिकारी ने पांच लाख एक माह के भीतर आर्थिक मदद दिलाने का वादा किया। सराय युसूफ थाना उतराव निवासी भानु प्रताप भारतीय जो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। रविवार सुबह 9 बजे उसकी पत्नी गीता देवी उम्र 33 घर के बगल में धान की पिटाई करके घर आ रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह घर के पास पहुचने ही वाली थी कि ऊपर से गए 440 वोल्ट का जर्जर तार टूट कर महिला के ऊपर जा गिरा। जिससे वह बुरी तरह से झुलसने लगी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौत की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। सूचना पर भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गई। वही ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों की बुलाने की मांग की तो मांग पर मौके पर विधुत अधिकारी मनोज कुमार समेत बिजली विभाग के अन्य कर्मचारी पहुंचकर दस हजार नगद तथा पांच लाख रुपए एक माह में दिलाने का आश्वासन दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गीता देवी की बड़ी बेटी नीतू , दो बेटे रंजीत,संजीत माँ की मौत से तीन मासूम बच्चों समेत परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

बाइक टच होने पर सिपाहियों के साथ मारपीट, कार्रवाई न होने से नाराजगी

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र थाना के डेरी मोड़ के समीप शुक्रवार रात बाइक छू जाने पर दबंगों ने सिपाहियों के साथ गाली-गलौज की। विरोध पर उनके साथ मारपीट भी की गई। स्थानीय लोगो ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। कार्रवाई न होने से सिपाहियों में नाराजगी है। औद्योगिक थाने में तैनात दो सिपाही प्राइवेट ड्रेस में अपनी बाइस से थाने से युनाइटेड पुलिस बूथ की ओर जा रहे थे। डेज मेडिकल तिराहे के समीप शराब की दुकान के पास डिवाडर की कट से नेवादा समोगर का रहने वाला एक युवक अपनी बाइक को घुमा दिया। जिससे थाने की ओर से आ रहे सिपाहियो की बाइक से छू गया। गलत साइड से बाइक घुमाने के बाद भी नेवादा के युवक ने सिपाहियों को गाली-देना शुरू कर दिया। जब सिपाहियों ने विरोध किया तो आरोपित युवक पास में स्थित एक घर से कुछ लोगो को बुलाकर लाया और सिपाहियों को दो-दो तमाचा जड़ दिया। सिपाहियो ने बताया कि वह औद्योगिक थाने के ही है। फिर भी युवकों ने उनसे अभद्रता करना बंद नही किए। जिसके बाद एक स्थानीय दुकानदार ने सिपाही को पहचान लिया और बीच बचाव कर मामला शांत कराया।

न्यूज झरोखा

पंचायत भवन पर झंडारोहण कर मनाई गांधी जयंती

करछना। विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत भगेशर देहली सचिवालय पर प्रधान श्रीमती प्रिया यादव ने पंचायत सचिव आदित्य पौडवाल की उपस्थिति में पंचायत भवन पर गांधी जयंती के अवसर पर बैठक की तथा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया इस दौरान पंचायत भवन पर गांधी के विचारों पर प्रकाश डाला गया तदुपरांत पंचायत सचिवालय प्रांगण में प्रधान श्रीमती प्रिया यादव पत्नी शिव बहादुर यादव एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में झंडारोहण भी किया गया तथा उपस्थित लोगों को मिष्ठान वितरण किया गया इस मौके पर रामनरेश अध्यक्ष सफाई संघ विकासखंड करछना सहायक पंचायत सचिव मनीष कुमार सोनू यादव आदर्श यादव राजकुमार राहुल एवं बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गांधी जयंती के अवसर पर भाकियू भानू ने सौंपा ज्ञापन

कोराव। आपको बता दें कि आज पूरे देश में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई जा रही है महापुरुषों को याद किया गया इसी क्रम में आज मेजा तहसील अंतर्गत सलैया ग्राम सभा के एनटीपीसी में भी भारतीय किसान यूनियन भानु ने दोनों महापुरुषों की जयंती मना कर क्षेत्रीय किसानों की संगठन के पदाधिकारियों ने समस्या सुनी। जयंती समारोह में प्रदेश महासचिव डा बि सिंह ने माताओं बहनों से रुबरु होते हुए कहा कि अपने बच्चों को राष्ट्रपिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री के बिचारो संस्कारों को सिखाना ही सच्ची संध्याजलि होगी तो वही इस्पेक्टर खीरी अनिल वर्मा को गरीबों की जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा हो रहें पट्टे की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर ज्ञापन सौंपकर पूर्व प्रधानमंत्री के उस नारे को साकार किया जिसमें उन्होंने कहा था कि जय जवान जय किसान वही मंडल महासचिव केके मिश्रा महापुरुषों पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय समस्याओं पर विशेष चर्चा की मंडल उपाध्यक्ष राजेश पांडेय कहा कि सत्य अहिंसा के पुजारी गांधी जी के पद चिन्हों पर चलकर भ्रष्टाचार जैसी बीमारी को भारत से उखाड़ फेंकना होगा कार्यक्रम को प्रमुख रूप से मंडल संरक्षक राजेंद्र तिवारी दुकान जी रविंद्र जैयसल इन्द्रेश कोल आदि लोगों ने संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को एकजुट होने की जरूरत है कार्यक्रम में प्रमुख रूप से केडी यादव मंजू कोल आदिवासी समाज शंकराचार्य भूतीर्या सुपरसन प्रधान सलैया रमाकांत बिंद भोला सोनकर जगदीश आदीवासी पंचू आदिवासी जय सिंह पटेल राजमणि कोल के साथ सैकड़ों लोग रहे।

स्वच्छता के बारे में दी गई जानकारी बांटा गया राशन

नैनी। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर लायंस क्लब प्रयागराज गौरव द्वारा ग्राम तिगनौता के आंगनबाड़ी केंद्र पर ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य और सफाई पर रोचक जानकारियां दी गई। और जीवन में स्वच्छता का महत्व समझाया गया यह आयोजन क्लब की हंगर चेयर पर्सन श्रीमती मीरा श्रीवास्तव जी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर निराश्रित 15 गरीब महिलाओं को राशन के पैकेट वितरित किए गए जिसमें दाल, दलिया आलू, चावल मौजूद था। आज के आयोजन में मुख्य रूप से सचिव डॉ रमेश चंद्र मीरा श्रीवास्तव, डॉ सूर्यनाथ प्रजापति, डॉ संतोष यादव, सरिता व अन्य लोग मौजूद थे।

ठहाकों से गूंजा पूजा पंडाल, तिवारी बंधुओं ने बांधी समां

करछना। क्षेत्र के केचुहा गांव में चल रहे नवरात्र दुर्गा पूजा जागरण में शनिवार को देर रात तक महफिल ठहाकों से गूंजती रही । तो वहीं तिवारी बंधुओं के भोजपुरी लोक संगीत ने भी खूब समां बांधीसंचालक अशोक बेशरम ने अपनी हास्य व्यंग्य रचनाओं पर घंटों श्रद्धालुओं श्रोताओं को लोटपोट करते रहे। उनकी कविता, जैसे नई दरोगा आईं रामनगर कै थाने मा,अइसी अउरत कबहूं नांही देखें रहे जबाने मा,खूब गुदगुदाती रही। कवि संतोष शुक्ला समर्थ ने सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कविता में कहा- किसी सूनी सी अंगनाई में चिड़िया गा नहीं सकती। रहे घर में कोई भूखा तो बिटिया खा नहीं सकती।इसके बाद तिवारी बंधुओं में सुजीत तिवारी व मंजीत तिवारी और भोजपुरी गायिका अमृता गौतम ने निमिया के पेड़वा माई डारि के झुलनवा जैसे भोजपुरी देवी गीतों की प्रस्तुतियों पर तालियां बटोरते हुए खूब समां बांधी। दुर्गा जागरण के आयोजक मंण्डल द्वारा मंच पर कवियों कलाकारों को सम्मानित किया गया। आयोजक और संयोजक अबरीष तिवारी व हिमांशु तिवारी ने सभी के प्रति आभार जताया। इस मौके पर पं कमला शंकर शुक्ला अध्यक्ष हिमांशु कुमार तिवारी कार्यकर्ता आलोक द्विवेदी, विकल द्विवेदी, आदर्श तिवारी, ऋषभ तिवारी आकाश तिवारी ,करन तिवारी, शिवम् मिश्रा आलोक, अमन ,आर्यन , आशीष , उत्सव, समीर तिवारी, अर्पित भोले तिवारी ,अभिषेक , कार्तिक , ओमप्रकाश आयुष, बबुआन विश्वकर्मा संजय ,निखिल शुक्ला और ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन, समाज सेवी,और ग्रामीण मौजूद रहे।

सामान्य ज्ञान में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा हुए सम्मानित

करछना। तहसील क्षेत्र में जितेंद्र सिंह इंटर कालेज बबुरा में ग्राम में साम ग्रुप द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के निदेशक पुष्पेंद्र सिंह यादव, मनीष सिंह ,शिव यादव, मनोज सिंह , अमित मुकेश के तत्वाधान में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में कक्षा 6 ?से कक्षा 12 ? तक के छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया विजेताओं को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों एवं प्रतियोगिता में शामिल छात्र एवं छात्राओं को साइकिल, देकर पुरस्कृत किया गया 2 अक्टूबर। पूर्व मंत्री उज्जवल रमण सिंह ने सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को साइकिल और ट्राफी देते हुए कहा कि सभी बच्चे लगन ईमानदारी से शिक्षा ग्रहण करें तभी आज के कम्पटीशन के युग में जहाँ शहर के बच्चे हर सुख सुविधा से लैस हैं उनसें आप अपनी मेहनत के दम पर ही उनसें आगे निकल पायेंगे। कार्यक्रम के संयोजक पुष्पेंद्र यादव संचालन पुष्कर जी ने किया। साथ में पूर्व सपा प्रदेश प्रवक्ता विनय कुशवाहा, रंजीत सोनकर,जि.प.स डॉक्टर विजय बाबू, पुष्कर,बबलू यादव, मोहन लाल,सीताराम यादव, विनय यादव, मुकेश यादव,लाल मणि यादव,मोहन लाल, शोभा लाल,विनय यादव प्रधान, पिंटू सिंह प्रधान बबुरा, कृष्ण देव, निर्मल सिंह यादव, महेंद्र यादव पूर्व प्रधान, सहित बडी संख्या में अभिभावक, गणमान्य लोग एवं समाज सेवी तथा छात्र एवं छात्राएं प्रधानाध्यापक शिक्षिक ए शामिल रहे।

सक्रिय सदस्य बनाने पर सदस्यता प्रभारी ने किया सम्मानित

रत्योरा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री रहे लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर अपना दल एस के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद सदस्यता प्रभारी प्रयागराज मंडल नागेंद्र सिंह पटेल के नेतृत्व में प्रयागराज शहर में वृहद सदस्यता अभियान चलाया गया। सदस्यता अभियान में विधानसभा कोरांव से युवजनसभा के विधानसभा अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह उर्फ कमलाकर पटेल के द्वारा 100 से अधिक सक्रिय सदस्य बनाए जाने पर पूर्व सांसद सदस्यता प्रभारी प्रयागराज मंडल नागेंद्र सिंह पटेल ने मंच पर सम्मानित किया। और अन्य कार्यकताओं की हौसला अफजाई करते हुए पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के एक करोड़ सदस्य लक्ष्य को साकार करने का आह्वान किया। सदस्यता अभियान में बारा विधायक वाचस्पति भी मौजूद रहे जिन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की हौसला अफजाई करते हुए अधिक से अधिक सक्रिय सदस्य बनाते हुए पार्टी को मजबूत करने की अपील की। सदस्यता कार्यक्रम में विधानसभा कोरांव से प्रमुख रूप से किसान मंच के जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्ण सिंह, सांस्कृतिक मंच के जिलाध्यक्ष शिव बालक कोल, विधानसभा अध्यक्ष संजय धनगर, विधानसभा महासचिव प्रभाकर सिंह, जिला सचिव अबरार हुसैन, विधानसभा महासचिव युवा मंच संदीप पटेल सहित कई कार्यकताओं पदाधिकारी मौजूद रहे।

जब लक्ष्मण ने कांटे शूपर्णखा के नाक-कान रावण दल में मची खलबली...

नैनी। सार्वजनिक रामलीला के सातवें दिन का शुभारंभ प्रयाग व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय अरोड़ा, पूर्व ब्लाक प्रमुख मेजा मुन्नन शुक्ला एवं पवन द्विवेदी (महाकाल) ने भगवान श्री राम की आरती कर किया`राक्षस-राज रावण की बहन शूर्पणखा एक अत्यंत सुंदर स्त्री का रूप बनाकर राम-लक्ष्मण के समक्ष प्रेम-विवाह का प्रस्ताव रखती है जिसे वह अस्वीकार कर देते हैं` इस पर वह अपने वास्तविक राक्षसी रूप में आ जाती है और सीता जी पर प्रहार करने की कोशिश करती हैं` लक्ष्मण उसके नाक-कान काट देते हैं और वह रोती-गाती लंकाधिपति रावण के पास चली जाती हैं` आलोक नायर के कुशल निर्देशन में रागिनी पाठक ने शूर्पणखा के अभिनय में प्राण फूंक दिए` राक्षस-राज रावण अपनी बहन सूर्पनखा का बदला लेने के लिए साधु वेश बनाकर सीता जी की कुटिया में आता है और भिक्षा- याचन करता है` सीता जी साधु के दुखी होकर कुटिया से चले जाने की चिंता में रावण की बात मानकर लक्ष्मण-रेखा पार कर जाती हैं` रावण सीता जी का हरण कर लेता है` सीता जी की करूण पुकार सुनकर पंडाल में उपस्थित दर्शक द्रवित हो जाते हैं`दृश्य में शबरी भगवान राम को बड़े प्रेम से अपने जूठे बेर खिलाती हैं और भगवान बड़े प्रेम से खाते हैं` शबरी ने वर्षों अपने गुरु के वचन पर विश्वास कर राम की प्रतीक्षा की है` आज राम- लक्ष्मण के दर्शन कर वह परमानंदित है` प्रभु राम शबरी को नवधा-भक्ति का उपदेश देते हैं। शबरी राम के चरणों में शीश नवाती है और अपने प्राण त्याग देती है। शबरी की आत्मा भगवान राम में समाहित हो जाती हैं` इस भक्ति-पूर्ण दृश्य को देखकर दर्शक भाव विभोर हो जाते हैं।

भगवान राम को हुआ वनवास, भीग गई दर्शकों की आंखें, दशरथ-ककैयी संवाद व राम वनवास का हुआ मंचन

जारी। दिन शनिवार को जारी स्थित आदर्श रामलीला कमेटी पुरानी रामलीला मैदान में सार्वजनिक रूप से हो रहे रामलीला में भगवान राम का वनवास की लीला का मंचन किया गया। रामलीला के डायरेक्टर मंचन में सतीश मिश्रा और राजू मिश्रा मैनेजर ने बताया कि दशरथ-कैकेयी संवाद के दौरान दासी मंथरा रानी कैकेयी को समझाती है कि अगर राम को राज्य मिला तो भरत का क्या होगा। कैकेयी कोप भवन में चली जाती हैं। जिसके बाद राजा दशरथ वहां पहुंचते हैं और कैकेयी से कारण पूछते हैं तो रानी कैकेयी ने राजा दशरथ को दो वरदानों की याद दिलाते हुए राम को 14 वर्ष का वनवास और भरत के लिए राजपाठ मांगा। कैकेयी के वचनों को सुनकर राजा दशरथ व्यथित हो जाते हैं। वे कैकेयी को समझाते हैं, लेकिन कैकेयी समझने को तैयार नहीं होती हैं। आखिरकार रघुकुल की रीति का पालन करते हुए राजा दशरथ कैकेयी को वरदान दे देते। इसके बाद राम वनवास का मंचन किया गया। माता कैकई संवाद के बाद राजा दशरथ कैकई को अपना वचन वापस लेने का आग्रह करते हुए दिखाया गया। मंचन को देखकर श्रोता भाव विभोर हो गया। कलाकारों का जीवंत अभिनय देखकर दर्शकों की आंखें भीग गईं।। इस अवसर पर सामूहिक रूप से राम सजीवन केसरवानी पूर्व प्रधान,संतोष कुमार जयसवाल, मोतीलाल कुरील गडैय़ा कला, रंजीत गुप्ता ,दिलीप केसरवानी, ज्ञानेंद्र जायसवाल ,सुभाष केसरवानी, विजय मोदनवाल , छोटेलाल मोदनवाल, अतुल केसरवानी, दीपक जायसवाल, राजाराम कौशल, आदि रहे।

जंघई दुबान में मां कालरात्रि का किया गया पूजन अर्चन

जंघई। नवयुवक धर्म कल्याण दुर्गा पूजा समिति जंघई दुबान पंडाल में रविवार को मां कालरात्रि का पूजन-अर्चन किया गया।मां कालरात्रि नवदुर्गा का सातवां स्वरूप हैं, जो काफी भयंकर है इनका रंग काला है और ये तीन नेत्रधारी हैं मां कालरात्रि के गले में विद्युत की अद्भुत माला है इनके हाथों में खड्ग और कांटा है गधा देवी का वाहन है। ये भक्तों का हमेशा कल्याण करती हैं, इसलिए इन्हें शुभंकरी भी कहते हैं। पूजा, अर्चना, आरती में राकेश दुबे, पंकज दुबे, मनोज दुबे, देवमणि दुबे, प्रिंस दुबे, मनीष दुबे, मुकेश दुबे, पवन दुबे, शिवम शर्मा, आदर्श दुबे, अजय गौड़, दिव्यांश दुबे, रितिक दुबे, शुभम शर्मा, पवन शर्मा, अभिषेक दुबे आकाश यादव, आशीष सिंह सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है : ममता सरकार

अखंड भारत संदेश

अलावलपुर की बालिकओं ने कबड्ड़ी में मारी बाजी

मऊआइमा। मऊआइमा खण्ड शिक्षा अधिकारी ममता सरकार के कुशल मार्गदर्शन में शानिवार को मऊआइमा के हरिसेनगंज स्थितअरविंद घोष इंटर कालेज में परिषदीय बच्चों की ब्लॉक स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता सम्पन हुई। जिसमे कॉम्पोजिट विद्यालय अलावलपुर पुर की बालिकाओं तथा बालक वर्ग में कॉम्पोजिट पिलखुआ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान बालिका वर्ग में कॉम्पोजिट विद्यालय जमुई व बालक वर्ग कॉम्पोजिट विद्यालय पसियापुर प्राप्त किया है। खोखो बालक प्रथम पिलखुआ, द्वितीय रामा पुर, दौड़ बालक वर्ग 50 मीटर प्रथम अभय अब्दालपुर पुर खास द्वितीय सचिन अलावलपुर पुर। 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ प्रथम सूरज पिलखुआ द्वितीय सोएब घूरघाट। 200 मीटर बालक वर्ग दौड़ प्रथम सचिन कुमार पिलखुआ द्वितीय विशाल कुमार सरायं दीना। 50 मीटर बालिका वर्ग प्रथम काजल बसदेईया द्वितीय महिमा मरखमऊ। 100 मीटर बालिका वर्ग आंशिक अलावलपुर द्वितीय काजल बसदेईया। 200 मीटर बालिका वर्ग कुमकुम पिलखुआ द्वितीय काजल घूरघाट। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग 100 मीटर मोहम्मद तस्लीम बाँकाजलाल पुर द्वितीय विपिन हरख पुर। 200 मीटर प्रथम मोहम्मद तसलीम बाँकाजलाल पुर द्वितीय अभिजीत पटेल सरायं दीना। 400 मीटर प्रथम मोहम्मद तस्लीप बाँकाजलाल पुर द्वितीय अभिजीत पटेल सराय दीन। बालिका वर्ग 100 मीटर प्रथम मीना सरायं दीना द्वितीय अंतिमा जोगी पुर। 200मीटर प्रथम रिंकी सरायं दीना द्वितीय अंतिमा जोगी पुर। 400 मीटर प्रथम हिना सरायं दीन द्वितीय स्वेता पिलखुआ। बालीबाल प्रथम सरायं दीना द्वतीय अलावलपुर। लंबी कूद बालक वर्ग प्रथम बिपिन कुमार हरख पुर द्वितीय सादाब टी टी अब्दालपुर पुर।खण्ड शिक्षा अधिकारी ममता सरकार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर मे स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है इसलिए बच्चों के सम्पूर्ण विकास में खेल का बहुत बड़ा महत्व है। संचालन शरद , भारत सिंह, व्यस्थापक लाल चंद्र वर्मा, रुद्रेश यादव, संत लाल मौर्य। संयोजक समस्त शिक्षक परिवार विकास खण्ड मऊआइमा। रेफरी ब्लॉक व्यायाम शिक्षक विनय यादव ,अखिलेश प्रताप, प्रिय ब्रत, विष्णु प्रताप सिंह, वंदना यादव, मोहम्मद सरीफ, विहारी लाल यादव, राम कैलास, आशा राम पटेल ने सकुसल सम्पन्न कराया। इस मौके पर शिक्षक संघ के पदाधिकारी क्रमसः बृजेन्द्र बहादुर सिंह, आशा राम पटेल, चिंतामणि त्रिपाठी,मोहम्मद सफी, राम मिलान, यशवंत भारतीय,रुद्र यादव, फुलेश्वर सिंह यादव, अंजनी यादव राम जी तिवारी आदि रहे।

संयुक्त किसान मोर्चा आज करेगा जसरा ब्लाक का घेराव एवं विरोध प्रदर्शन

कौंधियारा। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर 3 अक्टूबर लखीमपुर खीरी हत्याकांड की पहली बरसी पर देशभर में किसानो द्वारा विरोध प्रर्दशन की कड़ी में एआईकेएमएस की प्रयागराज इकाई 3 अक्टूबर को समय12बजे दिन जसरा ब्लाक मुख्यालय पर विरोध दर्ज करते हुए मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंपेगी। ज्ञापन में केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी एफआईआर 219/21में घटना का साजिशकर्ता है गिरफ्तारी की मांग, घायल 13 किसानों को समझौते के अनुसार मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को नौकरी, निर्दोष किसानों पर दर्ज मुकदमे रद्द किये जायें । प्रयागराज में बालू मजदूरों पर दर्ज फर्जी मुकदमे वापस लेने 24जून 2019का आदेश वापस लेने बोट द्वारा बालू निकासी रोजगार को बहाल कराने, बेरोजगारी के मद्देनजर राशन व्यवस्था में गेहूं चावल के साथ दाल ,चीनी, तेल देने राशनकार्ड में पात्रों के काटे गये नामों को जोड़ने, मनमानी ढंग सेअत्यधिक बिजली बिल वसूली रोकने,माफ करने व 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने इत्यादि सवालो को हल करने की मांग होगी।

सुकृत अस्पताल के सर्जन डॉ आरके कुशवाहा ने गंभीर रोग से पीड़ित को निकाला मौत के मुंह से बाहर

रत्योरा। कोरांव तहसील क्षेत्र के कूदर नेवारी गांव निवासी एक गंभीर रोगी का सफल उपचार कर सुकृत अस्पताल के सर्जन डॉ आरके कुशवाहा ने उसे मौत के मुंह से बाहर निकाल लिया। जिससे परिवार में जहां हर्ष देखा जा रहा है, वहीं चिकित्सक डॉ आरके कुशवाहा के सफल उपचार को देखकर परिजनों ने कृतज्ञता ज्ञापित की। जानकारी के मुताबिक नारायण प्रसाद पुत्र रामअवतार निवासी ग्राम कूदर नेवारी काफी दिनों से परेशान चल रहे थे। काफी दूर दराज के अस्पतालों में इलाज कराये ,लेकिन कही आराम नही मिला और परेशानी बढ़ती जा रही थी। जिसके बाद सुकृत अस्पताल में डॉ आर के कुशवाहा को दिखाकर जांच पड़ताल करायी जिसमें पता चला कि किडनी में पत्थर है। जिसकी वजह से पेशाब में रुकावट हो रही है, और किडनी में दिकत बढ़ती जा रही है। जिससे किडनी की कार्य क्षमता शिथिल हो गयी थी। सर्जन चिकित्सक डॉक्टर आरके कुशवाहा ने बताया कि यूरिया और क्रेटिनीन काफी बढ़ गयी थी। इस स्थिति में ऑपरेशन करना बहुत ही रिस्क होता है। अगर कुछ दिन रोगी अस्पताल नही आता तो जान का खतरा भी हो सकता था। चिकित्सक ने परिवार के सभी लोगो को समझा बुझा कर, सही तरीके से दूरबीन विधि से ऑपरेशन कर पेशाब आने की जगह बनाया और अब रोगी को पेशाब अच्छी तरह होने लगी है। अब रोगी अच्छा और आराम महसूस कर रहा है। अब आगे दूरबीन विधि से ऑपरेशन करने का प्लान है। रोगी के परिवार के लोग खुशी से चिकित्सक को धन्यवाद दिया।सर्जन डॉक्टर आरके कुशवाहा समय समय पर एक से बढ़ कर एक जटिल व असाध्य रोगों का सफल ऑपरेशन एवं उपचार कर क्षेत्र की सुर्खियां बटोर रहे हैं। और उनके कार्य दक्षता की चहुंओर सराहना हो रही है।

शांति सौहार्द व उल्लास के साथ मनाएं दशहरा पर्व : राजमणि कोल

मेले की सुरक्षा व्यवस्था पर आयोजन समिति के लोग रखें निगरानी : नरसिंह केसरी

रत्योरा। मंगलवार को कोरांव बाजार में आयोजित होने जा रहे विशाल दशहरा मेले के आयोजन को लेकर विधायक राजमणि कोल ने विधानसभा क्षेत्र के सभी नागरिकों से शांति सौहार्द व उल्लास के साथ दशहरा पर्व मनाने की अपील की है। उन्होंने नवरात्रि एवं दशहरा पर्व की सभी क्षेत्र वासियों को बधाई देते हुए कहा है कि प्रयागराज जनपद के यमुनापार की सबसे बड़ी बाजार कोरांव में प्रत्येक वर्ष विशाल दशहरा मेला का आयोजन होता चला रहा है। जिसके क्रम में इस वर्ष भी मेले की तैयारियां अपने अंतिम रूप पर पहुंच रही हैं। 4 अक्टूबर मंगलवार को नवमी के दिन मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी लोगों से शांति व सुरक्षा बनाए रखने की अपील की है। विधायक राजमणि कोल ने क्षेत्र की भारी भीड़ जुटने को लेकर स्थानीय पुलिस व प्रशासन को भी शांति व सुरक्षा तथा मेले की सुरक्षा व्यवस्था पर निगहबानी बनाए रखने का आह्वान किया है। इसी प्रकार नगर पंचायत कोरांव के अध्यक्ष नरसिंह कुमार केसरी उर्फ गोपाल जी ने मेला आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से अपील की है कि वे मेले की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहें। जिससे मेले में किसी भी प्रकार की अप्रिय वारदात अथवा घटना घटित न हो सके। उन्होंने मेले में आने वाले सभी क्षेत्र के नागरिकों से यह अपील की है कि मेले में लगाई गई बल्लियों को न छुएं बल्लियों में हाई वोल्टेज करेंट दौड़ रहा है जिससे मेले की सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष नरसिंह कुमार केशरी उर्फ गोपाल जी ने नवरात्रि एवं दशहरा पर्व की सभी नगर वासियों को शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे व सौहार्द तथा उल्लास के साथ दशहरा पर्व को मनाते हुए मेले को संपन्न कराने की अपील की है। उन्होंने मेला आयोजकों को विशेष तौर पर बधाई दी है।

महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की सीख दिया : प्रो0 राजीव

अखंड भारत संदेश

जंघई। भारत के दो महान विभूतियों राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 153 वीं और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 118 वीं जयंती 2 अक्टूबर को नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में मनाई गई। महाविद्यालय में विविध प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो0 राजीव मालवीय ने दोनों के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि दोनों महान हस्तियों ने अपने कार्यों और विचारों से देश और दुनियाभर के जनमानस पर अपनी एक अमिट छाप छोड़ी है।अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने में महात्मा गांधी की ओर से चलाए गए सत्याग्रह जन आंदोलनों की बड़ी भूमिका है वहीं, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में लाल बहादुर शास्त्री का भी महत्वपूर्ण योगदान है। महात्मा गांधी हमेशा लोगों को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की सीख देते थे और लाल बहादुर शास्त्री की छवि भी सबसे ईमानदार नेता की है। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारीयों एवं छात्र छात्राओं ने जयंती कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

नगर पंचायत में धूमधाम से मनाई गई महात्मा गांधी व शास्त्री जी की जयंती

शंकरगढ़। यमुनापार क्षेत्र के शंकरगढ़ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। सरकारी कार्यालयों के साथ-साथ अर्धसरकारी संस्थानों में भी गांधी जयंती मनाई गई। स्कूलों में विविध आयोजन हुए। शैक्षिक संगोष्ठी के साथ विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। नगर पंचायत कार्यालय शंकरगढ़ में चेयरमैन लल्लू कनौजिया की अगुवाई में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को नमन कर पुष्पांजलि अर्पित कर स्वच्छता का अमृत पखवाड़ा मनाया गया। ईओ सत्येंद्र प्रकाश चौरसिया ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हुए कहा कि गांधी जी ने स्वच्छता को जीवन से बढ़कर माना। वर्तमान परिवेश में भारत सरकार का भी आमजन से स्वच्छता को लेकर अपील की जा रही है। भारत देश को अग्रणी अग्रणी देशों में शामिल करने के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और माननीय नगर विकास मंत्री भी मिलकर लगातार प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में हम सबका और समाज का दायित्व बनता है कि स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत का निर्माण करें। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत वृक्षारोपण भी किया गया।मौके पर सभासद सुजीत केसरवानी, मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, अखिलेश द्विवेदी, दीपू शुक्ला, कुशल कुमार, कमलेश केशरवानी अंशुमान सिंह, अमित यादव, गया प्रसाद, सूरज केसरवानी, राजकरण आदि लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

प्रा.वि. पुरैनी का ताला तोड़कर हजारों का सामान किया पार

करछना। थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाओं में इजाफा हो गया है विगत एक माह में आधा दर्जन सरकारी स्कूलों में चोरी की घटनाएं घटित हुई है लेकिन अभी तक एक भी चोरी का खुलासा पुलिस नहीं कर सकी है जिसको लेकर चैरो के हौसले बुलंद हैं, क्षेत्र के पुरैनी गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए गैस सिलेंडर, आटा, चावल, दो पंखा, ब्लूटूथ साउंड, बर्तन सहीत कई किमती सामान उठा ले गए। सुबह घटना की जानकारी गांव वालों को होने पर प्रधान प्रतिनिधि पुरैनी सुरेश पांडेय ने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका को फोन के जरिए घटना की जानकारी दी जिस पर मौके पर पहुंची प्रधानाध्यापक तलत सिद्दीकी ने चोरी हुए स्कूल का पूरा सामान से अवगत होते हुए पुलिस को सूचित किया जिस पर मौके पर गई पुलिस जांच पड़ताल करके लौट गई इस बात को लेकर ग्रामीणों में चोरी की हो रही घटनाओं को लेकर आक्रोश भी देखने को मिल अभी 2 दिन पूर्व में ही रीवा महोरी गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय को चोरों ने निशाना बनाते हुए घटना को अंजाम दिया था। प्रधान अध्यापिका तलत सिद्दीकी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ करछना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय : फीस वृद्धि का मुद्दा

उच्चाधिकारियों ने छात्रों के साथ की बैठक

अखंड भारत संदेश

छात्रों के साथ बैठक करते प्रशासनिक अधिकारी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में जारी आंदोलन ने इविवि प्रशासन के साथ जिला और पुलिस प्रशासन के लिए भी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ऐसे में जिला एवं पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों को इस मामले में सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा। इस मुद्दे पर रविवार को अफसरों ने छात्रों के साथ बैठक की।कलेक्ट्रेट के संगम सभागार में हुई बैठक में कमिश्नर विजय विश्वास पंत, डीएम संजय कुमार खत्री, आईजी राकेश सिंह एवं एसएसपी शैलेश पांडेय ने छात्रों से बात की और मुद्दे पर चर्चा की। डीएम ने छात्रों से कहा कि चार अक्तूबर को इविवि प्रशासन के साथ छात्रों की वार्ता कराई जाएगी और इसमें जिला एवं पुलिस प्रशासन के अफसर भी मौजूद रहेंगे।वैसे तो छात्रों ने इविवि से संबंधित कई समस्याएं उठाईं, लेकिन मुख्य मुद्दा फीस वृद्धि रहा। बैठक में शामिल तकरीबन 40 छात्र नेताओं ने एकमत होकर कहा कि फीस वृद्धि वापसी से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। इविवि प्रशासन को फीस वृद्धि वापस लेनी होगी। छात्रों ने इसके पीछे तमाम तर्क दिए और कहा कि चार गुना फीस बढ़ोतरी से निम्न आय वर्ग वाले परिवार के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा ग्रहण करना मुश्किल हो जाएगा।जिला एवं पुलिस प्रशासन के प्रस्ताव को मंजूर करते हुए छात्रों ने कहा कि फीस वृद्धि के मुद्दे पर चार अक्तूबर को इविवि प्रशासन से वार्ता के लिए तैयार हैं। बैठक में संयुक्त संघर्ष समिति के तहत आंदोलन कर रहे सभी छात्र संगठन और एबीवीपी के छात्र नेता शामिल रहे। वहीं, छात्रसंघ भवन के सामने संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले शिव शंकर सरोज एवं विवेक सुल्तानवी का आमरण अनशन जारी रहा।

दो बार हो चुकी है वार्ता की कोशिश

इससे पूर्व इविवि प्रशासन और छात्रों के बीच दो बार वार्ता की कोशिश हुई, लेकिन इसमें कोई न कोई अड़ंगा लग गया। पहली बार इविवि प्रशासन ने यह कहते हुए वार्ता खारिज कर दी कि छात्र नेताओं की ओर से दी गई लिस्ट में विश्वविद्यालय का कोई छात्र नहीं हैं। कोई पूर्व पदाधिकारी तो कोई पूर्व या निलंबित छात्र है। दूसरी बार कोशिश हुई तो कुछ छात्र नेताओं को वार्ता में शामिल नहीं होने दिया और हंगामे के कारण वार्ता स्थगित कर दी गई।

चौबीस घण्टे के अन्दर गैगेस्टर एक्ट के वांछित गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना पुरामुफ्ती पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।थानाध्यक्ष के अनुसार अभियोग दर्ज होने के बाद ताबड़तोड़ दबिश दी गयी महज चौबीस घण्टे के भीतर तीनो को मंदर रोड से पकड़ने में सफलता मिली।उक्त गिरफ्तार कार्यवाही अभियान- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज शैलेश कुमार पाण्डेय द्वारा अपराध मीटिंग में जिले के सभी पुलिस अफसरों को वांछित शातिर अपराधियो की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल भेजने हेतु दिए गये कड़े निर्देश के अनुपालन में रविवार के दिन पुरामुफ्ती थानाध्यक्ष उपेन्द्र प्रताप सिंह अन्य थाना पुलिस टीम के साथ मिलकर 294/22 गैंगेस्टर एक्ट मे पंजीकृत मुकदमे आरापियों के पकड़ने में हेतु क्षेत्र में विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया गया इस दौरान उन्होंने तीनो आरोपीगणों को 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार होने वाले वांछित गैंगेस्टर अपराधी बड़का उर्फ नसीम पुत्र सकील दूसरा आशिफ पुत्र मो0 अहमद निवासीगण मंदर पुरामुफ्ती तथा तीसरा व्यक्ति अब्दुल रहमान पुत्र मसूफ निवासी हटवा थाना पुरामुफ्ती प्रयागराज का रहने वाला है।गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष के साथ दरोगा रामअधार,कास्टेबल तनुज, अतुल,जितेंद्र,बृजेश, प्रेम साहनी, विनोद कुमार साथ रहे।

न्यूज झरोखा

मरम्मत के लिए शास्त्री पुल व अंदावा रेलवे ओवर ब्रिज की उत्तरी लेन को किया गया बंद

झूंसी। गंगा नदी पर बने चार दशक पुराने शास्त्री पुल की उत्तरी लेन पर आखिर कार मरम्मत कार्य रविवार से प्रारंभ हो गया जिसकी वजह से पुल पर डायवर्जन कर दिया गया है। उत्तरी लेन को बंद कर दिया गया है दक्षिणी लेन आने जाने वालों के लिए खोला गया है। प्रयागराज को पूर्वांचल से जोड़ने के लिए गंगा नदी पर बने शास्त्री पुल कि उत्तरी लेन की सड़क जर्जर हो गई थी सड़क पर काफी दिनों से बड़े बड़े गड्ढे बने हुए थे बारिस के बाद गड्ढे और बढ़ गए कही कही तो पुल में लगी छड़ दिखने लगी थी। जिसकी वजह से राहगीरों को मुशीबत का सामना करना पड़ रहा था। लोक निर्माण विभाग ने रविवार से उत्तरी लेन के मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया। जिसकी वजह से शास्त्री पुल पर 15 दिनों के लिए डायवर्जन कर दिया गया है। दक्षिणी लेन से ही लोग आवागमन कर रहे है जाम न लगे इसकी वजह से यातयात, सिविल पुलिस को लगाया गया है साथ ही दक्षिणी लेन पर बैरिकेडिंग भी लगाई गई है।

महाकाल फाउंडेशन ने निकाली 22 सौ मीटर तिरंगा यात्रा

जसरा। जसरा बाजार में गांधी जयंती के अवसर पर जय श्री महाकाल फाउंडेशन के द्वारा 22 सौ मीटर की विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। जय श्री महाकाल फाउंडेशन यूथ क्लब के अध्यक्ष एडवोकेट अरविंद दुबे ने बताया कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देश के युवाओं को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पद चिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित करना है तथा तिरंगा यात्रा के माध्यम से पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई गई कार्यक्रम के दौरान जन सैलाब देखने को मिला। मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा कौशल्या नंद गिरी जी व वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र मिश्र नगरहा रहे जिन्होंने युवाओं का उत्साह वर्धन किया। अगले वर्ष पूरे बारा विधानसभा में इससे भी बड़ी तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा को अंतिम रूप देने में दीपू पाठक और अतुल गुप्ता का विशेष योगदान रहा। तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ला, राजेश त्रिपाठी, नीरज केसरवानी, मुकेश द्ववेदी, आशीष सोनकर, प्रयाग संगम सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधांशू मिश्रा, आलोक पाठक, आनंद जायसवाल, रावेंद्र तिवारी, विराट द्ववेदी, दीपचंद्र मोदनवाल, अनुराग, शोएब,जगदीशपुर प्रधान विराट तिवारी, समाजसेवी दीपू पाठक, अधिवक्ता प्रदीप द्विवेदी,अतुल गुप्ता, देवेंद्र पटेल, पुष्कर द्विवेदी आदर्श तिवारी, बृजभान सनी शुक्ला अनुज, शुक्ला, विवेक भदौरिया, जय शर्मा, विनीत, अमन, कंहैया, सूरज, अभिनव,अनूप, छविनाथ, शनि, शुभम, हिमांशु, अनुपम,सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में दो छात्रों का हुआ चयन

जसरा। श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा के दो छात्रों का चयन प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में होने पर विद्यालय प्रबंध तंत्र के साथ क्षेत्रीय लोगों में हर्ष व्याप्त है। श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा के महेंद्र कुमार तथा वीरेन्द्र कुमार का चयन स्टेट कबड्डी खिलाड़ी के रूप में किया गया है। ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा के छात्र मंडल स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किये जिसमें महेंद्र कुमार कक्षा 9 बी तथा वीरेंद्र कुमार 12 ए 2 का प्रदर्शन मंडल में उत्कृष्ट रहा। दोनों छात्रों का चयन प्रदेश स्तर पर खेलने के लिए किया गया। छात्रों के चयन होने पर विद्यालय के प्रबंधक विश्वनाथ प्रसाद गुप्त, उप प्रबन्धक सतीश केशरवानी, प्रधानाचार्य डा० योगेन्द्र सिंह ने खेल शिक्षक राकेश श्रीवास्तव एवं दोनों छात्रों को बधाई के साथ ही शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर शिक्षक सुनील साहू,कुलभूषण मिश्र, अचलेन्द्र जायसवाल, विकास केसरी सहित विद्यालय के बच्चों ने हर्ष व्यक्त किया है।

आरके ग्रुप ऑफ इन्स्टीयूशन्स ने मनायी गांधी जयंती

नैनी। महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस पर वैचारिक गोष्ठी एवं स्वच्छता कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम का आरम्भ संस्था के चेयरमैन डॉ0 आशुतोष त्रिपाठी जी नें महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद संस्था के सभागार में आयोजित गोष्ठी में अधिकारीगण, शिक्षकगण, एवं छात्र-छात्राओं नें अपने विचार प्रस्तुत किये। विधि प्राचार्य डॉ0 मुहम्मद जफर ने बताया कि गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका से ही अंग्रेजों की रंगभेद नीति के विरुद्ध आंदोलन छेड़ दिया था, गांधी जी ने किस प्रकार हमें अंगेजों की गुलामी से आजादी दिलाई। नर्सिंग प्राचार्या के0एच0 विक्टोरिया देवी कहा कि गांधी जी की आज 153वीं जयंती है। संस्था के चेयरमैन डॉ0 आशुतोष त्रिपाठी ने बताया कि नाथूराम गोड्से नें गांधी जी को नहीं मारा था उसने तो एक विचार को मार दिया था जो देश की अपूर्णीय क्षति थी। उक्त कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त समस्त नर्सिंग शिक्षिकाएं, समस्त विधि प्रवक्ता, समस्त फामेर्सी शिक्षक एवं रजिस्ट्रार श्री अनुज शुक्ला एवं समस्त ऑफिस कर्मचारी उपस्थित रहे।

गांधी, शास्त्री जयंती पर गरीब बच्चों में बांटा गया पाठ्य सामग्री

सहसों। युवा डेवलपमेंट वेलफेयर सोसाएटी सहसों द्वारा चन्द्र प्रकाश केसरवानी के नेतृत्व में जयंती पर क्षेत्र के मीरापुर, भोपतपुर, इनायतपुर सेवा बस्तियों में नन्हे-मुन्ने बच्चों में निःशुल्क कॉपी, स्टेशनरी, पाठ्य सामग्री आदि का वितरण किया गया। जिसको पाकर नन्हे-मुन्ने बच्चों के चेहरे खिल उठे। मुख्य अतिथि भूमि विकास बैंक फूलपुर के अध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा समाजिक सेवाएं एवं असहायों की सहायता तथा निर्बल बच्चों का उत्थान के लिए किया गया कार्य बहुत ही सराहनीय होता है। महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के जयंती दिवस के मौके पर सेवा बस्तियों में बच्चों में शिक्षा का प्रगाढ़ प्रेम उत्पन्न हो ऐसी भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निःशुल्क स्टेशनरी वितरण बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इस मौके पर मुख्य रूप से घनश्याम सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, दीपू मोदनवाल, नितिन केसरवानी, गोलू , आलोक केसरवानी, सौरभ केसरवानी आदि उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी एक पैगंबर : स्वामी श्री योगी सत्यम

सत्य अहिंसा का मार्ग शक्तिशाली जनों का मार्ग

दीप प्रज्वलित कर संदेश देते स्वामी श्री योगी सत्यम

गांधी जी को हाथ जोड़कर प्रणाम करते समस्त साधक

अखंड भारत संदेश

झूंसी। क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा गांधी जयंती के अवसर पर आए हुए देश व विदेश के साधकों को गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा दिए गए अलौकिक संदेश को बताया। अभ्यास कराते हुए क्रियायोग गुरु ने कहा की परमहंस योगानंद जी महासमाधि के पूर्व अपने संदेश में महात्मा गांधी को महान पैगंबर कहा था।

स्वामी जी ने यह भी स्पष्ट किया की सत्य अहिंसा का सिद्धांत अनंत काल से चला आ रहा है। पैगंबर बार-बार पृथ्वी पर आकर जनमानस को इसी सिद्धांत के बारे में जागरूक करते हैं। इस अवसर क्रियायोग गुरु ने साधकों को बताया कि महात्मा गांधी प्रतिदिन क्रियायोग का अभ्यास करते थे जिसके कारण उनके और उनकी पत्नी के बीच सनातन संबंध की स्थापना हुई। उस सनातन मैत्री की एक झलक कस्तूरबा गांधी के द्वारा महात्मा गांधी के संबंध में व्यक्त विचारों से प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी बताया कि महात्मा गांधी का जन्म जनमानस को सत्य व अहिंसा का मार्ग दिखाने उस पर चलने वह चलाने के लिए हुआ था । गुरु जी ने उपस्थित साधकों को बताया कि सत्य व अहिंसा का मार्ग शक्तिशाली जनों का मार्ग है राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के मन में कभी भी किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी ना भगवान के प्रति ना ही उनके सीने में गोली मारने वाले गोडसे के प्रति । कार्यक्रम के अंत में क्रियायोग गुरु ने गांधी जी के उन विशेष बातों को बताया कि वह विश्व के सभी राष्ट्रों की समस्याओं को आसानी से दूर दूर कर देते थे।

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन

झूंसी। क्षेत्र के सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों के साथ स्कूलों में महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। हवेलिया स्थित न्याय नगर पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ बुशरा मुस्तफा ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने अपने भाषण में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व व कृतित्व से परिचित कराते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। कक्षा 12 की छात्राओं द्वारा वैष्णव जन तो तेने कहिए तथा रामधुन की सुंदर प्रस्तुति दी। प्रधानाचार्य डा बुशरा मुस्तफा छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि गांधी जी एवं लालबहादुर शास्त्री के जीवन व आदर्शों से प्रेरणा लेते उन्हें अपने जीवन में उतारनी चाहिए। कोटवा स्थित तिलक इंटर कालेज के प्रधानाचार्य मनोज सिंह ने ध्वजारोहण कर महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम आरंभ किया। सेंट्रल एकैडमी, न्यू आरएसजे पब्लिक स्कूल, न्यू टाउन हॉल पब्लिक स्कूल, एमआरएफ स्कूल एंड कॉलेज के साथ झूंसी, सरायइनायत थाना व बहादुरपुर विकासखंड में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई।

जयंती समारोह मे भागीदारी देते निगम के अधिकारी व कर्मचारी

गांधी जयंती : स्वच्छता ही सेवा के तहत गंगा दूतो ने किया श्रमदान

प्रयागराज। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा के तहत नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत सरस्वती घाट पर स्वच्छता श्रमदान कार्यकम आयोजित किया गया।जिसमे स्पीयर हेड लीडर रोहित मणि एवं निर्मलकांत पांडे ने जागरुकता कार्यक्रम किया और गंगादूतों कि टीम के साथ ने स्वच्छता श्रमदान किया और स्वच्छता शपथ ली। नमामि गंगे जिला परियोजना अधिकारी ने कहा भारत में और दुनिया भर में महात्मा गांधी को सादे जीवन, सरलता और समर्पण के साथ जीवन जीने के सर्वोत्तम आदर्श के रूप में सराहा जाता है. उनके सिद्धांतों को पूरी दुनिया ने अपनाया है. उनका जीवन अपने आप में एक प्रेरणा है।गांधीजी ने हमेशा लोगों को अपने अपने परिवेश को साफ रखने का मूल मंत्र दिया।साफ सफाई के प्रति हर नागरिक को जागरूक होना होगायदि हर आदमी चाह ले तो उसका परिसर कभी गन्दा नही रहेगा। साफ सफाई को जीवन मे अपनाए।और नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत निरंतर गंगा स्वछता हेतु ग्रामीण स्तर पर जागरूकता कार्यकम का प्रयास किया जा रहा है । कार्यक्रम में गंगा दूत रोहित ,सुकेश, साहिल, अमन, रोहित प्रियांशु, निखिल ,सोनू ,अक्षय, सुमन, कविता का विशेष योगदान रहा।

बाइक सवारों ने तमंचा सटाकर युवक का बैग व नगदी लूटा

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र में चोरी लूट की बढ़ती ही जा रही है। बदमाशों ने एक युवक की बाइक को ओवर टेक कर तमंचा अडा कर चार हजार रुपये, मोबाइल और बैग छिन लिए तथा मारा पीटा। भुक्तभोगी ने मऊआइमा थाने में तहरीर दी है। बता दें कि होलागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम अरुवांव पंडित का पूरा डंडैया निवासी विकास शुक्ला पुत्र राम कृष्ण शुक्ला सोरांव में मोबाइल की दुकान में काम करता है। विकास शुक्ला के अनुसार वह 30 सितम्बर की रात लगभग आठ बजे अपनी बाइक से घर जा रहा था। जैसे वह मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर पुलिया के पास पेट्रोल पंप के आगे पहुंचा तभी अचानक एक बाइक पीछे से एक बाइक आगे से आकर उसके ऊपर तमंचा लगा दिए पांच बदमाश घेर कर। मार पीट कर बैग छिन लिए और जेब में रखा चार हजार रुपये नगदी तथा मोबाइल छिन कर पांचों लुटेरे भाग गए। विकास शुक्ला दूर जाकर दूसरे की मोबाइल से मऊआइमा थाने में फोन करते हुए 112नम्बर को सूचना दी। मौके पर पहुंची और बदमाशों का पता लगाने का प्रयास की परन्तु खाली हाथ वापस आ गई।

मेजा ऊर्जा निगम में किया गया महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती का आयोजन

अखंड भारत संदेश

महात्मा गांधी के मूर्ति पर माल्यार्पण करते अधिकारी

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम में रविवार को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती मनाई गई ।केदार रंजन पाण्डु, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजा ऊर्जा निगम बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में गांधी जी और शास्त्री जी के योगदान के बारे में बात की और सेंट जोसेफ स्कूल के सभी छात्रों को हमारे स्वतन्त्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया।इसके अलावा फिट इंडिया रन 3.0 का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीयूष कुमार, महाप्रबंधक ओ एंड एम, अजित बसक, महाप्रबंधक प्रचालन, गुरु प्रसाद सिंह, महाप्रबंधक मेंटेनेंस, प्रदीप कुमार साबत,महा प्रबंधक संविदा और सामग्री, संजय शुक्ला, महाप्रबंधक मैकेनिकल इरेक्शन, अखिल के पी पट्टनायक, अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन और मेजा ऊर्जा निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री ने भारत को दिया आकार: एडीजी

अखंड भारत संदेश

गांधी जी व शास्त्री की जयंती पर जिला अपराध निरोधक समिति ने किया नमन, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महानुभावों को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। भारत के इतिहास में 2 अक्टूबर का दिन दो महान विभूतियों राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन के तौर पर इतिहास के पन्नों में दर्ज है। उन्होंने आजाद भारत को दिशा और आकार देने में जो भूमिका निभाई है, उसको हम नमन करते हैं, उक्त बातें चीफ गेस्ट अपर पुलिस महानिदेशक प्रेम प्रकाश ने वार्षिकोत्सव और सम्मान समारोह कार्यक्रम में कही। अपराध निरोधक समिति प्रयागराज द्वारा आर्य कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में एडीजी प्रेम प्रकाश ने कहा कि ऐसी सरकारी संस्थाएं बहुत कम है जो हर समय उपलब्ध रहती हैं। उन्होंने जिला अपराध निरोधक समिति प्रयागराज की तारीफ करते हुए कहा इनका कार्य सराहनीय है। विशिष्ट अतिथि पूर्व पुलिस महानिरीक्षक कवींद्र प्रताप सिंह ने दोनों महान विभूतियों को प्रणाम करते हुए कहा कि दोनों महान पुरुषों ने दुनिया को आगे बढ़ाया और एक अच्छा इंसान बनाने में मदद किया। आने वाले 20 सालों में हम निश्चित रूप से विकसित देश में शामिल होंगे। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ चीफ गेस्ट अपर पुलिस महानिदेशक प्रेम प्रकाश, विशिष्ट अतिथि पूर्व पुलिस महा निरीक्षक कवींद्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलित किया। अध्यक्षता पूर्व कमिश्नर आरएस वर्मा ने की।आर्य कन्या इंटर कालेज में आयोजित समारोह में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, पुलिस कर्मियों के साथ प्रयागराज, अलीगढ़, जौनपुर, कानुपर, गोंडा, लखनऊ, बुलंद शहर, बदायूं, मुरादाबाद, संभल आदि क्षेत्रों के विशेष कार्य करने वालों को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

डीसीपीसी के सचिव ने जताया आभार

संस्था के सचिव जेल पर्यवेक्षक संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मीणा, चेयरमैन उ.प्र.अ.नि.समिति लखनऊ के कमलेश श्रीवास्तव, आर्य कन्या पीजी कालेज के चेयरपर्सन पंकज जायसवाल, डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता आलोक तिवारी, साइबर प्रभारी राजीव तिवारी, अनिल सिंह, सतीश चंद्र मिश्रा, शोएब आलम, लक्ष्मी कांत मिश्र, विशाल श्रीवास्तव, कुलदीप धर,प्रशांत सिंह, संदीप सोनी,जय केसरवानी आदि लोग मौजूद रहे। संचालन डॉ प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

स्वच्छता टायकैशन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

मऊआइमा। मऊआइमा के देव पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल पूरा काजी में स्थित स्वच्छता टायकैथन का आयोजन नगर पंचायत मऊआइमा परिसर में स्वच्छता टायकैथन के अन्तर्गत सभी प्रकार के स्वच्छता के बारे में बच्चों ने गुण बताए। इस प्रतियोगिता में देव पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल पूरा काजी के प्रधानाचार्य लाल जी विश्वकर्मा और प्रबंधक मुदित खत्री अध्यापकगण एंव स्कूल के बच्चे शामिल हुए जिसमें प्रथम नंबर वैष्णवी सोनी दूसरा नंबर शिवानी पटेल तीसरा नंबर अलफिसा नाज को मिला।चेयरमैन प्रतिनिधि शोएब अंसारी ने सभी छात्राओं को पुरस्कृत किया ।जिसमें नगर पंचायत के स्टाफ सुनीता पटेल आशीष कपूर रखशान आरिफ एवम शिव कुमार कुल्लू आदि शामिल थे।

शत शत नमन के साथ मनाई गई गांधी व शास्त्री की जयंती

अखंड भारत संदेश

ब्लाक सहसों में जयंती पर उपस्थित प्रमुख गीता सिंह व अन्य।

सहसों। क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई गांधी शास्त्री जी की जयंती। क्षेत्र के स्कूल कालेजों तथा संस्थानों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री किसानों के मसीहा लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूमधाम से मनाई गई। विकासखंड सहसों परिसर में ब्लाक प्रमुख गीता सिंह एवं राकेश बहादुर सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू , विजय बहादुर, सोनू सिन्हा, नरेन्द्र दूबे, गिरजा शंकर यादव आदि ने गांधी व शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज एवं छत्रपति शिवाजी ऋषिकुल सहसों में प्रबंधक एवं जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेल ने गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसी प्रकार सुखदेव सिंह महाविद्यालय कसेरूआ कला सहसों में प्रबंधक एवं ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रगान गाकर उन्हें शत-शत नमन किए। तथा प्राथमिक विद्यालय बभनकुइयाँ में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर प्रधानाध्यपक विन्देश्वरी प्रसाद, अजीत सिंह सहित सभी शिक्षकों व बच्चों द्वारा दोनों महानपुरुषों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजन किया गया। कम्पोजिट विद्यालय सहसों में भी प्रधानाध्यपक विनोद कुमार पाण्डेय ने बापू एवं शास्त्री की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। इसी प्रकार सघन क्षेत्र विकास समिति सहसों द्वारा खादी भवन पर अध्यक्ष चन्द्र प्रताप सिंह एवं अनिल कुमार सरोज ने झण्डारोहण कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किए।

गांधी जी के आदर्शों पर चलना कठिन लेकिन नामुमकिन नहीं: जिलाध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ। सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमन्त्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म जयंती के अवसर पर कांग्रेसजनों द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय, इन्दिरा भवन, प्रतापगढ़ में चित्र पर पुष्प एवं माला पहनाकर दोनों महापुरुषों को नमन किया गया।

उसके उपरान्त एक बैठक कांग्रेस कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ.लालजी त्रिपाठी एवं संचालन नगर अध्यक्ष इरफान अली ने किया। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष डॉ.लालजी त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत को सत्य और अहिंसा की राह दिखायी। उनके आदर्शों पर चलना कठिन जरूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं, सिर्फ मजबूत इरादों की जरुरत है। आज सभी को बापू के विचारों को पढ़ने की जरूरत है। बापू ने हमें मानवता और समानता का अर्थ समझाया, दूसरों की सेवा करना सिखाया और महिलाओं का सम्मान करना सिखाया। विनम्रता और सादगी से भी हम अपनी बात दूसरों के सामने रख सकते हैं, ये सिखाया। श्री त्रिपाठी ने कहा कि ह्यजय जवान, जय किसानह्ल का नारा देने वाले, पूर्व प्रधानमंत्री, श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती नमन करते हुए कहा कि जवान और किसान भारत की रीढ़ हैं। आज देश की तानाशाह सरकार उनपर लगातार हमला कर रही है।

यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि आज हम राहुल गांधी जी के नेत्तृत्व में भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं, तीन हफ्तों से ज्यादा का समय बीत चुका है और अभी भी हजारों मील पैदल चलना बाकी है। राहुल गांधी जी से कई लोगों ने पूछा कि आप लोग ये भारत जोड़ो यात्रा क्यों कर रहे हैं। बहुत सालों पहले बापू ने देश को एकजुट करने के लिए डांडी मार्च किया और पूरा देश उनके साथ पैदल निकल पड़ा, तब हम अंग्रेजों से अपनी आजादी के लिए लड़े थे, आज हम भारत को एकजुट करने के लिए लड़ रहे हैं। ये लड़ाई कांग्रेस पार्टी की ही नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक की लड़ाई है। आज बेरोजगारी, महंगाई, नफरत, भुखमरी, हिंसा, शोषण, दमन और असमानता ने देश की नींव पर हमला बोल दिया है। युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रहीं, महंगाई से आम जनता की कमर टूट चुकी है और नफरत ने एक हिंदुस्तानी को दूसरे हिंदुस्तानी की जान का दुश्मन बना दिया है। देश आज डर की गिरफ्त में है। इन्ही विभाजनकारी नीतियों के खिलाफ एक साथ, कदम से कदम मिला कर कन्याकुमारी से कश्मीर तक ये यात्रा चल रही हैं, देश के अलग-अलग कोनों से उठ रही आवाजें एक हो रही हैं, लोग भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ते जा रहे हैं और कारवां बड़ा होता जा रहा है। कोई भी शक्ति हमारी भारत जोड़ो यात्रा को रोक नहीं सकती, क्यूंकि ये हिंदुस्तान की आवाज है। संचालन कर रहे नगर अध्यक्ष इरफान अली ने कहा कि हम सब मिलकर बापू जी एवं शास्त्री जी के आदर्शों पर चलते हुए प्रेम, सत्य और अहिंसा को आत्मसात करते हैं। बैठक में मुख्य रूप से पी सी सी सदस्य डॉ. प्रशान्त देव शुक्ला, पूर्व नगर अध्यक्ष कपिल द्विवेदी, कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष महेंद्रा शुक्ला, कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, रोहित कुमार शुक्ला, सरोज कश्यप, राम रतन तिवारी, इश्तियाक अहमद, अशुतोष तिवारी, सलमान खान, श्याम शंकर तिवारी, विश्वास सिंह, फतेह बहादुर सिंह, योगेश यादव, दिलीप गौतम, रहमान अली,आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेसियो ने गांधी व शास्त्री को किया नमन

जिला कांग्रेस कार्यालय पर गांधी शास्त्री को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसजन।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के विचार हम सभी के लिए अनुकरणीय- संजय मिश्रा

अखंड भारत संदेश

पट्टी प्रतापगढ़। रविवार को गांधी जयंती तथा लाल लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पट्टी तहसील क्षेत्र के रमईपुर दिशिनी प्राथमिक विद्यालय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व तथा कृतित्व को याद किया गया। प्रसिद्ध समाजसेवी संजय मिश्रा ने इस दौरान अपने विचार प्रकट किए। पट्टी तहसील क्षेत्र के रमईपुर दिशिनी के प्राथमिक विद्यालय में ग्राम प्रधान रमईपुर दिशिनी इंद्रधर दुबे छोटे दुबे के संयोजन में कार्यक्रम किया गया । इस दौरान दोनों महापुरुषों की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद संजय मिश्रा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी का त्याग बलिदान प्रेम अहिंसा सत्यता हमेशा हम सबके लिए अनुकरणीय है। उनकी कार्यशैली तथा अद्भुत सत्साहस हम सभी को ऊर्जा देता है।

सीडीओ को किया गया गुडिया सम्मान से अलंकृत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद की लोकप्रिय मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया को भयहरण नाथ धाम की प्रबंध समिति द्वारा गुडिया सम्मान से अलंकृत किया गया . यह सम्मान बीते नागपंचमी के अवसर पर भयहरणनाथ नाथ धाम मे आयोजित घुघुरी लोक उत्सव मे प्रदान किया जाना था परंतु अपरिहार्य कारणो से वह शामिल नही हो सकी थी। धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल तथा महासचिव व बकुलाही पुनरोधार अभियान के संयोजक सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर की अगुवाई मे विकास भवन स्थित मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय मे श्रीमती ईशा प्रिया को यह सम्मान उनके द्वारा निरंतर केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओ को तत्परता के साथ क्रियाँवित करने हेतु धाम की प्रबंध समिति द्वारा प्रदान किया गया।इस अवसर पर संरक्षक जनकवि प्रकाश जी, राजनारायण मिश्र , अध्यक्ष राजकुमार शुक्ल, सचिव संगठन राजकिशोर मिश्र , उपसहसचिव हेमराज हेमू शामिल रहे।

सीडीओ ईशा प्रिया को सम्मानित करते भयहरणनाथ धाम की प्रबंध समिति के लोग।

शहर में निकलती रामलीला समिति की झांकी।

श्री रामलीला द्वारा निकाली गई राम वन गमन एवं खर दूषण वध की झांकी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री रामलीला समिति द्वारा सातवे दिन राम वन गमन, खर दूषण वध की झांकी निकाली गई। 3:00 बजे दिन में गोपाल मंदिर से राम वनगमन, खर दूषण वध की झांकी निकलकर चौक होते हुए रामलीला मैदान में खर दूषण युद्ध हुआ वहां पर भगवान राम ने खर दूषण का वध कर दिया। जब यह खबर रावण को मिली तो रावण ने साधु का वेश बनाकर माता सीता का हरण कर लिया। रामलीला मैदान से वापस पंजाबी मार्केट होते हुए गोपाल मंदिर आकर लीला को विश्राम दिया गया। इस अवसर पर संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य, अध्यक्ष संजय खंडेलवाल, संयोजक दिनेश सिंह ह्यदिन्नू,ह्य मंत्री विपिन गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनीष गुप्ता, शिवम, बंटी नेता, विष्णु सोनी, सूरज, धर्मेंद्र सिंह, छेदीलाल, संतोष कुमार, देवानंद, रोहित राज, धर्मेंद्र चैरसिया, विवेक कुमार, अर्चना खंडेलवाल, सुधा अग्रवाल, रेखा उमरवैश्य, इंदिरा अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, अनामिका पांडे, मेघा, ज्योति आदि रथ के साथ चल रहे थे।

मां कालरात्रि की धूमधाम से हुई अर्चना, लगे जयकारे

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। शारदीय नवरात्रि पर मां कालरात्रि के स्वरूप का रविवार को दर्शन पूजन श्रद्धालुओं ने किया। नगर के हरिहर मंदिरम में मां दुर्गा तथा मां विश्वमोहिनी व मां पिताम्बरा का आकर्षक श्रृंगार श्रद्धालुओं का मन मोहे दिखा। वहीं शानिवार की शाम नगर में विभिन्न दुर्गा पांडालों पर भक्ति संगीत के भी विविध आयोजन हुए। चैक तथा धर्मशाले के समीप दुर्गा पूजा समितियों द्वारा नन्हे मुन्ने के बीच गीत माला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन लोगों में आकर्षण का केन्द्र दिखा। बाबा घुइसरनाथ धाम, इनहन भवानी, गुम्मौर देवी वन व चतुर्भुज देवी तथा मनीपुर स्थित राम देवी आदि मंदिरो में भी शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की पूजा आराधना हुई। इस मौके पर सभासद रमेशचंद्र कौशल, रामचंद्र शुक्ल, अशोक तिवारी, आचार्य प्रभाकर नाथ शुक्ल, करूणाशंकर दुबे आदि रहे।

कम्पनी गार्डेन व अटल पार्क में ओपन जिम की आज से मिली सुविधा

नपा अध्यक्षा प्रेमलता सिंह व पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह ने किया लोकार्पण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका अध्यक्षा प्रेमलता सिंह पूर्व विधायक हरि प्रताप सिंह व अधिषासी अधिकारी मुदित सिंह ने आज गांधी जयंती पर नागरिको को कम्पनी गार्डेन व बाबागंज के अटल पार्क में ओपेन जिम का सौगात दिया इससे अब शहर वासियो को खुली हवा मे जिम करने का अवसर प्राप्त होगा। बता दे कि गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्षा प्रेमलता सिंह और अधिशासी अधिकारी मुदित सिंह द्वारा राष्ट्रगान के बाद रामधुन तथा वैष्णो जन के तेने रहिये एवं गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी को माल्यापर्ण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अधिशासी अधिकारी द्वारा लोगो को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई , शपथ के बाद नगर पालिका से होते हुए कंपनी गार्डन तक एक स्वच्छता रैली निकाली गई । कंपनी गार्डन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का अध्यक्षा और अधिशासी अधिकारी द्वारा माल्यापर्ण किया गया। इसके बाद कंपनी बाद स्थित नव निर्मित ओपन जिम का लोकार्पण अध्यक्षा, अधिशासी अधिकारी और पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह द्वारा किया गया। बाद में बाबागंज स्थित अटल पार्क में भी अध्यक्षा व पूर्व विधायक पहुंचे और वहां पर भी ओपन जिम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्क में वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, कमिनी ,मवेसरी तथा नीम के वृक्ष लगाए गए तथा ये स्लोगन बोला गया कि वृक्ष धरा के भूषण है करते दूर प्रदूषण है। इस कार्यक्रम में नगर पालिका के सम्मानित सभासद आशीष जायसवाल , कुमकुम केशरवानी, ज्ञानेश मिश्रा, गायत्री शुक्ला , स्वच्छ भारत मिशन के डी पी एम वरुण कुमार सिंह , डी सी आशीष मिश्रा , सफाई एवम खाद्द निरीक्षक संतोष कुमार सिंह , राजस्व निरीक्षक लालबहादुर, राजेश बिंद तथा सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

अटल पार्क में ओपन जिम का लोकार्पण करते नपा अध्यक्षा व हरिप्रताप।

सरकार की कमजोर इच्छा शक्ति के कारण बेलगाम है मंहगाई व बेरोजगारी - प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा है कि केन्द्र की मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन का दुष्परिणाम देश की गरीब जनता को लगातार मंहगाई की मार में भुगतना पड़ रहा है। उन्होने कहा कि सरकार की कमजोर इच्छा शक्ति के कारण मध्यम तथा गरीब वर्ग मंहगाई व बेरोजगारी से त्रस्त हो उठा है। उन्होने मौद्रिक नीति समिति की ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि मुद्रा मंहगाई की दर अभी भी 6.7 के चिंता जनक हालात को बयां कर रही है। वहीं उन्होने कहा कि तेल की कीमत लगातार दुनिया की बाजार में घटने के बावजूद डीजल व पेट्रोल के घरेलू दाम में यह सरकार जनता को राहत देने को तैयार नही है। रविवार को रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रमोद तिवारी ने कार्यकताओं से रूबरू होते हुए कहा कि पूंजीपतियों का हित साधने में जुटी मोदी सरकार की सबसे बड़ी असफलता विदेशी मुद्रा भंडारण में भी गिरावट में देखी जा रही है। उन्होने कहा कि सरकार की अदूरदर्शिता तथा आर्थिक क्षेत्र में थोपी जा रही गलत नीतियों के कारण ही देश का राजपोषीय घाटा भी 32.6 प्रतिशत के चिंताजनक हालात में पहुंच गया है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि घरेलू बाजार और रसोई दोनों मंहगाई के कारण टूट रहे हैं और रोजगार के अवसर भी लगातार कम होने से युवाओं को भविष्य की चिंता सता रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कार्यक्रमों के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री की भी स्मृति को नमन करते हुए देश के प्रति उनके योगदानों को बहुमूल्य ठहराया। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने क्षेत्र के ननौती, मंगापुर, राजापुर, अठेहा, सांगीपुर, बाबा घुइसरनाथ धाम, इनहन भवानी, लालगजं बाजार खास, मोठिन, खंडवा, जनई, कौडियाडीह व हरनाहर में जगह-जगह लगे दुर्गा पांडालों पर पहुंचकर पूजन अर्चन किया। श्री तिवारी रविवार को पांडालों में मां दुर्गा के समक्ष लोक कल्याण को लेकर आरती पूजन में भी शामिल हुए। इस मौके पर सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह, भगवती प्रसाद तिवारी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, लालगंज प्रमुख अमित सिंह, चेयर पर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सुधाकर पांडेय, माता प्रसाद पांडेय, आचार्य राजेश मिश्र, छोटे लाल सरोज, केडी मिश्रा, अंजनी कौशल, रमेश कौशल, जय कौशल आदि रहे।

राज्यसभा सदस्य ने दुर्गा पांडालों पर टेका मत्था

रविवार को दुर्गा पांडालों में दर्शन व आरती पूजन करते राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी।

मोदी के नेतृत्व में देश व दुनिया में मजबूत हुई भारत की छवि - रघुवंशी

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। नगर पंचायत के दीवानी वार्ड के अंतर्गत मनीपुर में रविवार को भाजपा द्वारा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्रा तथा जिला प्रभारी नागेंद्र सिंह रघुवंशी ने गांधी एवं शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देश के विकास तथा दुनिया में भारत की मजबूत छवि के निर्माण को लेकर वक्ताओं ने सेवा पखवाड़ा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। बतौर मुख्य अतिथि जिला प्रभारी नागेंद्र सिंह रघुवंशी ने कार्यकताओं से कहा कि वह केन्द्र एवं राज्य की भाजपा सरकार की किसानों तथा

मन की बात कार्यक्रम के तहत मनाया गया सेवा पखवाड़ा

युवाओं के हित में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच ले जाकर पीएम मोदी के नेतृत्व को मजबूत करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्रा ने कहा कि कार्यकताओं का सम्मान हर कीमत पर मजबूत रखा जाएगा। कार्यक्रम का संचालन कमलेश गिरी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक अधिवक्ता एवं नगर संयोजक राजेशचंद्र तिवारी ने सेवा पखवाड़ा की सफलता पर प्रकाश डाला। इसके बाद पार्टी कार्यकताओं को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

रास्ते में गंदगी व कीचड़ पर भड़के ग्रामीण लगाया जाम

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक के धारूपुर गांव में सार्वजनिक रास्ते पर गन्दगी व कीचड़ तथा गड्ढों को लेकर आजिज आए ग्रामीणों का रविवार को गुस्सा फूट पड़ा। नाराज ग्रामीणों ने धारूपुर से बेलहा मार्ग पर घंटो जाम लगाए तथा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की। जानकारी मिलने पर पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समस्या के समाधान कराए जाने का भरोसा दिलाकर माहौल शांत कराया। धारूपुर बाजार तहसील लालगंज की प्रमुख बाजारों में से एक है। धारूपुर रामपुर हाईवे से बेलहा रोड़ पर गांव जाने वाला मार्ग प्रधान व सेक्रेटरी की लापरवाही से इन दिनों बद से बदतर हालात में हो गया है। रास्ते में कीचड़ तथा गन्दगी व गड्ढों के कारण आए दिन ग्रामीण चुटहिल हो रहे हैं। इसी मार्ग पर स्कूल तथा अस्पताल भी है। इस कारण से इस मार्ग पर गुजरने वालों की संख्या रोज ग्रामीणों के अलावा अन्य जरूरत मंदों की ज्यादा दिखा करती है। स्कूली छात्र-छात्राएं भी रास्ता खराब होने से आए दिन परेशान देखे जाया करते हैं। ग्रामीणों ने कई बार प्रधान तथा ग्राम पंचायत अधिकारी व रामपुर संग्रामगढ़ के बीडीओ से भी मार्ग दुरूस्त कराए जाने की मांग उठाई। इसके बावजूद ग्राम प्रधान तथा ग्राम पंचायत अधिकारी के कान में समस्या को लेकर जूं नही रेंग सका। रविवार को नाराज ग्रामीणों ने मार्ग पर सीएचसी के समीप बबूल की झाड़ रख कर जाम लगा दिया। आवागमन ठहर जाने की जानकारी लालगंज पुलिस को मिली। इस पर आनन फानन में लालगंज सीओ प्रशिक्षणाधीन अमरनाथ गुप्ता तथा प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अफसरों के समझाने के बावजूद ग्रामीण टस से मस होने को तैयार नही थे। तब प्रशासनिक अफसरों ने मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश सेठई को बुलवाया। प्रधान प्रतिनिधि को अफसरों ने दो दिन के अंदर रास्ता ठीक कराए जाने की मोहलत दी। प्रधान प्रतिनिधि ने भी इस पर हामी भरी। इसके बाद समझा बुझाकर पुलिस अफसरों ने तीन घंटे बाद जाम खुलवाया। प्रातः नौ बजे से लगा जाम आखिकर तीन बजे समाप्त हो सका। इस मौके पर सुनील सरोज, सर्जन सरोज, प्रदीप, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सोनू सिंह, बबलू, मुकुल विश्वकर्मा, आमिर, विवेक, प्रदीप, कल्लू, संजय आदि रहे।

गाँधी जयंती पर महापुरुषों को श्रद्धा सुमन अर्पित

अखंड भारत संदेश

परियावां। एमएमपीजी कालेज कालाकांकर में रविवार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कालेज में श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए ।कालेज में ध्वजारोहण किया गया और दोनों महान पुरुष की याद मे कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कालेज के प्राचार्य प्रो0 शिवम श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में कहा कि गांधी जी के वैचारिक दर्शन को सही अर्थों में लाल बहादुर शास्त्री जी ने आरम सात किया इसके पूर्व प्राचार्य ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया। डिग्री कालेज व इंटर कालेज के150 एनसीसी कैडेटों ने पुनीत सागर अभियान के अंतर्गत कालाकांकर गंगातट किनारे साफ सफाई किया।जिसमे एन0सी0सी 0 अधिकारी डॉ0ले0 शिव भूषण गुप्ता के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।जिसमे प्राचार्य प्रो0 शिवम श्रीवास्तव, इंटर मीडिएट कालेज कालाकांकर केप्रधानाचार्य कैप्टन शमशाद अहमद, प्रो0 इंदुरेखा सिंह,प्रो0 रामकरन सिंह,प्रो प्रदीप सिंह,प्रो0 मुन्नालाल ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन इंदुरेखा सिंह ने किया।इस मौके पर डॉ श्रष्टि कुशवाहा, डॉ उमा सिंह, प्रीती सिंह, प्रो0 विनीता सिंह, प्रो0 हवालदार सिंह,डॉ रामलखन परिहार ,अब्दुल रज्जाक, उदय सिंह,नवल कुमार, विजय कुमार सहित कालेज के छात्र छात्राये मौजूद रही। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय मुरस्सापुर व सोनामऊ में प्रधानध्यापक वकील अहमद व डॉ संजय शुक्ला तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय परियावां प्रथम में प्रधानाध्यापक योगेशचन्द श्रीवास्तव ने स्कूल में महापुरुष महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। जिसमें स्कूल के सभी शिक्षक मौजूद रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते प्राचार्य।

खबर संक्षेप

पैदल चाल प्रतिभागियों को वितरित किया गया किट

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने स्पोर्ट्स स्टेडियम, टेवा में राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी के जयन्ती के अवसर पर आयोजित पेदल चाल प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किया जिलाधिकारी ने पैदल चाल प्रतियोगिता बालक वर्ग में 06 प्रतिभागियों तथा बालिका वर्ग में 06 प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किया। उन्होंने खेलों इण्डिया के तहत चयनित 30 खिलाडियों को किट भी वितरित किया। इस अवसर पर जिला क्रीडा अधिकारी मो0 रूस्तम खॉ उपस्थित रहें।

गौ मांस के साथ दम्पति गिरफ्तार

कौशाम्बी। मंझनपुर थाना क्षेत्र घना का पुरा स्थित काशीराम कॉलोनी से भारी मात्रा में मंझनपुर पुलिस ने गौ मांस बरामद किया है। पुलिस ने घर से बरामद गौ मांस के साथ पति पत्नी को बाइक सहित गिरफ्तार किया है धना का पुरा स्थित काशीराम कॉलोनी में मंझनपुर पुलिस ने दबिश देकर भारी मात्रा में गौ मांस बरामद किया है। पति पत्नी बाइक से बोरी में भरकर गौ मांस काट कर ला रहे थे। रास्ते में पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर बाइक से भारी मात्रा में गौ मांस बरामद किया है। पति पत्नी से पुलिस अन्य लोगों की पूछताछ कर रही है।

कार चालक के अपहरण और लूट की वारदात से पुलिस विभाग में हड़कम्प

ड्राइवर को नेशनल हाइवे 2 पर फेंककर फरार हो गए बदमाश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले में कार चालक का अपहरण और उसके साथ बड़ी लूट की वारदात से कौशाम्बी पुलिस में हड़कंप मच गया,लूट की घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश कार चालक को नेशनल हाइवे के किनारे फेंक कर फरार हो गए,कार चालक ने इसकी सूचना डायल 112 को दी,सूचना पर पहुंची पुलिस चालक को थाने ले जाकर पूछताछ कर रही है,घटना की सूचना पर एसपी कौशाम्बी,आईजी जोन प्रयागराज एवम एडीजी प्रयागराज भी पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

वाहन की जांच करते एडीजी

घटना कोखराज थाना क्षेत्र के ककोढ़ा के पास की है जहा वाराणसी से कार चालक वश कार वढ70ॠ8271 लेकर निकला था,जिसे कोखराज थाना क्षेत्र में देर रात लगभग 1 बजे कुछ बदमाशो ने रोक लिया और उसे लूटकर हाइवे के किनारे फेंक दिया।बदहवास कार चालक ने डायल 112 को घटना की सूचना दी,अपहरण और लूट की सूचना के बाद मौके पर पहुची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी।कोखराज थाना क्षेत्र में अपहरण और बड़ी लूट की सूचना पर एडीजी प्रयागराज जोन प्रेम प्रकाश,प्रयागराज जोन आईजी राकेश सिंह, एसपी हेमराज मीणा ने भारी पुलिस फोर्स के साथ घटना स्थल का निरीक्षण किया और कोखराज थाने में मौजूद कार चालक से पूछताछ की।एडीजी प्रयागराज जोन प्रेम प्रकाश ने बताया की कार चालक के साथ अपहरण और लूट की घटना हुई है,लूट कितने की है इसकी पूछताछ कार चालक से की जा रही है,कार के मालिक के बारे में भी जानकारी ली जा रही है,कार मालिक की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जायेगी।

अवैध निर्माण पर महज औपचारिकता निभाकर लौटी राजस्व टीम

कौशांबी। मंझनपुर तहसील के करारी थाना अंतर्गत शुक्लन का पुरवा मजरा इब्राहिमपुर में सरकारी बंजर भूमि पर अवैध निर्माण की शिकायत के बाद जाच के दौरान अवैध निर्माण की बात सही पाया गया था जिस पर शनिवार को राजस्व टीम अवैध निर्माण ध्वस्त करने मौके पर पहुंची थी लेकिन पूरी तरह से अवैध निर्माण ध्वस्त नही किया गया है बल्कि औपचारिकता पूर्ण कर राजस्व टीम लौट आई है मौके पर कब्जा धारियों का खंडहरनुमा भवन अभी खड़ा है कुछ समय पूर्व शुक्लन का पुरवा चौराहे में बंजर भूमि पर बैजनाथ अवैध निर्माण करवा रहे थे जिसको प्रशासन के द्वारा रुकवा दिया गया था शनिवार को अधिकारियों के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम जेसीवी लेकर ध्वस्तीकरण करने मौके पर पहुची लेकिन सूत्र बताते हैं कि किसी बड़े नेता के दबाव में आधा अधूरा ध्वस्तीकरण कर राजस्व टीम वापस लौट आई है जिससे मौके पर अभी कब्जा धारकों का कब्जा बरकरार है लोगों ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवैध कब्जे को खाली कराए जाने की मांग की है।

न्यूज झरोखा

सकिपा नेताओं ने मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी ने पुनवार में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने गांधी जी एवं शास्त्री जी की प्रतिमाओ पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया।रविवार को ग्राम पुनवार में समर्थ किसान पार्टी के दर्जनों कार्यकताओं ने पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेमचन्द्र केसरवानी एवं जिला महासचिव शैलेंद्र मिश्रा के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने उनकी प्रतिमाओ पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर प्रेमचंद केसरवानी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दुनिया को अहिंसा की नई राह दिखाई। वो भारत माता के सच्चे सपूत थे और देश को अंग्रेजी शासन से आजादी दिलाई। इस अवसर पर जिला महासचिव शैलेंद्र मिश्रा ने कहा कि शास्त्री जी देश के पूर्व प्रधानमंत्री थे। उन्हें सादगी पसंद थी। उन्होंने जय जवान जय किसान का नारा दिया था। इस अवसर पर आशीष मिश्रा, राजू सिंह, बनवारी लाल दिवाकर, रामचंद्र विश्वकर्मा, नोखे लाल प्रजापति, मन्नी लाल सरोज समेत कई लोग मौजूद रहे।

महेश्वरी प्रसाद इं.का. में मनाई गई गांधी शास्त्री जयंती

हर्रायपुर कौशाम्बी। मूरतगंज ब्लाक क्षेत्र के अंतर्गत आलमचंद स्थित महेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज में महात्मा गांधी और पूर्व पीएम लालबहादुर शास्त्री की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई है इस मौके पर महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया है और उनके आदर्शों से शिक्षा लेने की बात शिक्षकों ने कही है गांधी शास्त्री की जयंती पर उनके योगदान की चर्चा की है प्रधानाचार्य जितेंद्र नाथ श्रीवास्तव ने गांधी जी के योगदान के बारे में छात्र छात्राओं चर्चा की इस मौके पर शिक्षक छात्र छात्राएं आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस कार्यालय में मनाई गई गांधी शास्त्री जयंती

कौशाम्बी। गांधी जयंती व "पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती" के अवसर पर पुलिस कार्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री के तस्वीर का अनावरण कर माल्यार्पण किया गया तथा गार्द द्वारा सलामी दी गयी। परेड द्वारा राष्ट्रीयगान गाया गया। समारोहण में पुलिस कार्यालय में नियुक्त सभी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा समारोह में शामिल अधिकारी कर्मचारीगणों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने एवं सत्य अहिंसा का व्रत लेने तथा जाति भेदभाव कुरीतियों को त्यागने एवं निर्बल वर्ग के उत्थान हेत कार्य करने का शपथ दिलाया गया। अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़ी जाति के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाय इस पर भी प्रकाश डाला गया। सम्बोधन के उपरांत समारोह में उपस्थित सभी अधिकारी कर्मचारियों को मिष्ठान वितरण किया गया तथा चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को वस्त्र (सॉल) वितरण कर सम्मानित किया गया। जनपद के समस्त सर्किल कार्यालय, थानों, पुलिस चौकियों व फायर स्टेशनों पर सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी द्वारा अपने-अपने सर्किल, थाना चौकी पर महात्मा गांधी व पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन परिचय के बारे में बताया गया व महात्मा गांधी के उपरोक्त विचारों को बताया गया तथा मिष्ठान वितरण किया गया।

कम्पोजिट विद्यालय परसरा में मनाई गई गांधी शास्त्री जयंती

भरवारी कौशाम्बी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती 2 अक्टूबर के अवसर पर कम्पोजिट विद्यालय परसरा विकासखंड मूरतगंज में विविध कार्यक्रम आयोजित किया गया गांधी शास्त्री की जयंती के अवसर पर प्रधानाध्यापक द्वारा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया एवं उनके जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बच्चों को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शपथ दिलाई गई तत्पश्चात बच्चों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया तथा विद्यालय में बाल संसद का गठन भी किया गया तथा पदाधिकारियों को शपथ भी दिलाई गई विद्यालय के समस्त स्टॉप द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम समापन के पश्चात मिष्ठान वितरण किया गया इस अवसर पर श्रीमती नीतू सक्सेना सुचित्रा विश्वकर्मा धीरज सिंह विवेक मिश्रा लवकुश कुमार सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

जलसा रहमते आलम सल्लाहु अलह व सल्लम

कौशाम्बी। जमीयत उलेमा जिला कौशाम्बी द्वारा आयोजित (जलसा रहमत आलम, सल्लाहु अलह व सललम) की दूसरी बैठक आज दिनाक 01 अक्तुबर 2022 शनिवार को मगरिब की नमाज के बाद जामा मस्जिद चायल खास में आयोजित की गई। जिसमें जमीयत उलमा ज़िला कौशाम्बी के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती मुहम्मद मुरशिद कासमी ने कहा कि रबी-उल-अव्वल के महीने में, हमारे गुरु, मानवता के उपकार श्री मोहम्मद अरबी, अल्लाह उन्हें आशीर्वाद दें और उन्हें शांति प्रदान करें, आए ! दुनिया के लिए, और उनका आगमन सभी के लिए एक आशीर्वाद था! आप धन्य हैं, आप दुनिया की दया हैं, सभी दुनिया के लिए दया के रूप में भेजे गए हैं, आपकी शिक्षाएं, हमें उन्हें अपनाना है, और अंत में उनकी दुआ पर बैठक समाप्त हुई !इस मौके पर मौलाना मुफ्ती मुहम्मद मुरशिद कासमी अध्यक्ष जमीयत उलेमा ज़िला कौशाम्बी, मोहम्मद अनस सिकरेटरी, मुहम्मद तय्यब,आदि लोग मौजूद रहे।

मंच पर लंबे चौड़े प्रवचन देने वाली कथा वाचिका से पति प्रताड़ित!

धर्म की आड़ में समाज को उपदेश देने वाली कथा वाचिका नहीं संभाल पा रहीं अपना पारिवारिक जीवन

कौशाम्बी। बड़े-बड़े मंच में धर्म की बात कर परिवार और समाज सुधारने का प्रवचन देने वाली एक कथा वाचिका अपने परिवार को नहीं संभाल पा रही है कथा वाचिका को कौन बताएगा कि उपदेश देना अपने जीवन में उतारना बड़ा कठिन होता है जबकि वह लगातार मंच पर धर्म के बारे में प्रवचन कर लोगों को प्रभु और कर्मो पर आस्था रखने की नसीहत दे रही हैं लेकिन उन्हें खुद अपने पारिवारिक मामले में प्रभु पर आस्था विश्वास नहीं है मंच पर बड़े-बड़े प्रवचन करने वाली यह कथा वाचिका से उसके ससुराली जन प्रताड़ित है अपने पति और ससुर पर कथा वाचिका द्वारा कई मुकदमे अदालत में दाखिल कर न्याय मांगा जा रहा है न्याय के लिए कथा वाचिका का पति दर-दर भटक रहा है कौशांबी जिले की रहने वाली इस कथा वाचिका की शादी उरई जनपद में कुछ वर्षों पहले हुई थी अदालत में दाखिल किए गए मुकदमे के मुताबिक कथा वाचिका के साथ उसके ससुराल में मारपीट लड़ाई झगड़ा किया जाता रहा और उसके जेवरात को छीन लिया गया है पीड़ित युवक का कहना है कि मेरी कथावाचिका पत्नी गृहिणी बनकर न्यायालय से गुजारा भत्ता दिलाने की अपील कर रही है जबकि कथा वाचिका बड़े बड़े मंच पर कथा करते हुए लाखों रुपए कमा रही है पीड़ित युवक का कहना है कि उसके और उसकी माता का कई लाख रुपए कीमत के सोने के जेवरात और नगदी छीन कर कथा वाचिका ससुराल स्व भाग आई है और ससुराल में वह नहीं रहना चाहती है।

राष्ट्रपिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री की जयन्ती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

अखंड भारत संदेश

जिलाधिकारी ने ध्वजारोहण कर महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन किया अर्पित

गांधी शास्त्री जयंती पर संबोधित करते डीएम

कौशाम्बी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा कार्यालयो विद्यालयों व अन्य संस्थाओं में पूज्य बापू महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पणकर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इसके साथ ही महात्मा गांधी के जीवन संघर्ष उनकी देश सेवा जीवन-मूल्यों अन्त्योदय की अवधारणा तथा राष्ट्रीय एकता व अखण्डता पर प्रकाश डाला गया।

जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण तथा महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इस अवसर उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन मूल्यों एवं दर्शन पर प्रकाश डाला गया तथा महात्मा गांधी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने कहिये एवं रघुपति राघव राजा राम गाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि हम लोग बचपन से ही महात्मा गॉधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन विचार एवं आदर्शो को पढते आ रहे है। उन्होंने कहा कि हम सब लोग महात्मा गॉधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन दर्शन एवं विचारों को अपने जीवन में उतारे एवं उसका अनुपालन करें उन्होंने कहा कि महात्मा गॉधी ने सभी को साथ लेकर देश को एकता के सूत्र में बॉधा, जिसका परिणाम है कि भारत आजादी के इतने वर्ष बाद आज भी एकजुट है। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री का जीवन सादगी भरा जीवन है, उनका देश के विकास में अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान- जय किसान का नारा देकर देश की सेना का मनोबल बढाया तथा देश में अन्न की समस्या को दूर किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को इन महान विभूतियों के विचारों को जीवन में उतारना चाहिए। उन्होने कहा कि हम सब लोगों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ शीघ्रता से पात्र व्यक्तियों तक पहुंचायें, यही इन महापुरूषों की सच्ची श्रद्धान्जलि होगी। उन्होने कहा कि हम सभी को अपने दायित्यों का निर्वहन जिम्मेदारीपूर्वक करना चाहिए गोष्ठी को सम्बोधित कर अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ. विश्राम सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शो, सिद्धान्तों एवं जीवन-दर्शन पर विस्तृत प्रकाश डाला।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते से विश्व को मिला है अहिंसा से विजय पाने का मार्ग

राष्ट्रपिता गांधी व पूर्व पीएम लाल बहादुर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित, सेवा पखवारे का हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते पूर्व विधायक संजय गुप्ता

कौशाम्बी। ऐसे समय जब पूरे विश्व में अंग्रेजो के खिलाफ युद्ध जैसा माहौल था, यूरोपीय देश एक दूसरे से हथियारों से बड़े हमले कर मानवता को कुचल रहे थे। ऐसे में विश्व को भारत से एक दार्शनिक पथ प्रदर्शक मिला जिसने पूरे विश्व में अहिंसा को एक बड़े हथियार के रूप में प्रस्तुत किया जिस ने आज पूरे विश्व में शांति स्थापना में अपनी महती भूमिका निभाई है और भारत देश को स्वतंत्रता दिलाने का काम किया वह थे राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री व कौशांबी से सांसद विनोद सोनकर ने आयोजित कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का संयोजक शीलू पाण्डेय रहे। इस मौके पर सांसद विनोद सोनकर ने कहा कि सेवा पखवारे में जिले की अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी के नेतृत्व में जिस तरीके से काम किया गया जिले के मजबूत संगठन को दिखाता है। पार्टी कार्यकताओं ने गांव गांव तक पहुंच देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा कार्य किए। इस मौके पर बतौर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने जिले के सभी कार्यकताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जिस तरीके से जिले में सेवा सप्ताह कार्यक्रम का संचालन हुआ है उससे जिले में संगठन एक बार फिर से मजबूत साबित हुआ है इस पूरे कार्यक्रम से जिले के कार्यकर्ता गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों की सेवा करते हुए दिखाई दिए जो भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं की सेवा और समर्पण की भावना को दशार्ता है। इस मौके पर पूर्व विधायक लाल बहादुर, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, शीतला प्रसाद पटेल, राकेश पांडे, चक्रेश मिश्रा, जनक पाण्डेय, धर्मराज मौर्य, संजय जयसवाल, महेश लोधी, अवधेश नारायण शुक्ला, तूफान यादव, भास्कर सिंह, दिलीप अग्रहरी, जितेंद्र सोनकर, लवकुश मौर्य, अजय त्रिपाठी, अजय पाण्डेय, सोनिया राजपूत, शिव प्रताप मौर्य, नीरज साहू, डा विनय शुक्ला, दिनेश पाण्डेय, राजीव त्रिपाठी, मनोज शुक्ला, बबलू गर्ग, विवेकानंद तिवारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांधी शास्त्री की जयंती पर महामाया राजकीय महाविद्यालय में विविध कार्यक्रम आयोजित

कौशाम्बी। महामाया राजकीय महाविद्यालय कौशांबी में गाँधी जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण कर किया महात्मा गाँधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर गांधी जी का प्रिय भजन रघुपति राघव राजाराम और बैष्णव जन को क्या कहिये पीर पराई जाने रे, का छात्र, छात्राओं द्वारा सस्वर गायन किया गया। ततपश्चात डॉ0 तरीत अग्रवाल असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी, ने बाइबिल एवम डॉ0 अमित कुमार शुक्ल असिस्टेंट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र, ने गीता तथा डॉ0 अजय कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी ने कुरान का पाठ किया। डॉ0 पवन कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल ने गांधी जी आदर्शो पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांधी जी सत्य, अहिंसा और प्रेम के आत्मसात करके उनको व्यवहारिक जीवन मे अमल में लाने की बात कही। डॉ0 रीता दयाल असिस्टेंट प्रोफेसर प्राचीन इतिहास ने स्वाधीनता आंदोलन और गांधी जी के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा आजादी की लड़ाई में गाँधी जी ने अहिंसा बल पर हासिल किया है। प्रभारी प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार ने कहा कि 21 वी सदी में हमे गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी जीवन से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। विशेष रूप से हमे क्या ग्रहण करना चाहिए और कैसे ग्रहण करना चाहिए। शिक्षा के मंदिर में हमे दोनों महापुरुषो से यह सीख लेनी चाहिए अध्यापक और विद्यार्थियों के बीच उसके जीवन मे सैद्धान्तिक और व्यवहारिक शिक्षा के मूलभूत पहलूओं को समझना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक वह होता है जो सभी छात्र छात्राओं को एक साथ लेकर आगे बढ़ता है। उन्होंने अधिक से अधिक पुस्तकों के पढ़ने पर विशेष जोर दिया।कार्यक्रम का संचालन डॉ अजय कुमार ने किया। कार्यक्रम में डॉ नीलम बाजपेई, डॉ भावना केसरवानी, डॉ रीता दयाल, डॉ0 तरित अग्रवाल, डॉ0 पवन कुमार, डॉ संतोष कुमार डॉ0 रमेश चन्द्र डॉ0 शैलेश मालवीय, डॉ0 अमित कुमार शुक्ल, एवं महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

मेहता नगर पूजा समिति में कन्या पूजन व भोज का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। नगर पालिका परिषद अंतर्गत मेहता रोड स्थित मेहतानगर दुर्गा पूजा समिति में मां दुर्गा की आरती के बाद कन्या पूजन और भोज का आयोजन किया गया है नवरात्रि के पावन पर्व पर आयोजित कन्या भोज में मेहता रोड की काफी महिला भक्तो ने अपना अपना प्रसाद वितरण कर देवी रूपी कन्या का पैर छू कर आशीर्वाद प्राप्त किया। बता दे कस्बा भरवारी के मेहता नगर पूजा समिति की ओर से प्रतिदिन किसी न किसी भक्तो की तरफ से प्रसाद वितरण का कार्य किया जाता है जिसमे आज का प्रसाद शिव बाबू अनीता संजय सीता राम चंद्र शैलेंद्र तिवारी अजय केसरवानी अनमोल श्याम बाबू आदि दर्जनों भक्तो की ओर से प्रसाद वितरण किया गया इस मौके पर हजारों भक्त लोगो को प्रसाद वितरण किया गया है यहां पर प्रति दिन पांच से छह सौ लोगो को प्रसाद वितरण किया जाता है। कन्या भोजन पूजन के अवसर पर सुनीता अजय अनीता संजय सीता राम चंद्र नेहा विकाश रानी मनु मधु नागा मधु कौशल घनश्याम कौशल अंशु हजारी हर्षित नागा खुशबू बृजेश अनीता ललितेश प्रीति प्रदीप केसरवानी आदि भक्त मौजूद थे।

दुर्गा पंडाल में कन्या पूजन भोज और भंडारा आयोजित

कौशाम्बी। नवरात्रि के पावन पर्व पर सप्तमी के दिन दुर्गा पंडाल में कन्या भोज और भंडारे का आयोजन किया गया है पूरे जिले में नवरात्रि के सप्तमी के दिन भंडारा और कन्या भोज के आयोजन के 4 कन्याओं के कन्याओं को तिलक लगाकर उनका पूजन किया गया मंझनपुर कस्बे के शिव मंदिर में कन्या भोज भंडारा का आयोजन किया गया पश्चिम शरीरा अंतर्गत घोसरा गांव में दुर्गा पंडाल में नवरात्रि सप्तमी के दिन दुर्गा पंडाल में कन्या पूजन का आयोजन किया गया इस दौरान क्षेत्र की कन्याओं को तिलक लगा कर खीर पूरी हलवा खिलाया गया दक्षिणा भी दी गई है इस मौके पर रामसेवक लोधी,संजय लोधी,अमर सिंह, देवेंद्र,हेमराज,परिहार लोधी आदि भक्तगण मौजूद रहे।

2 किसानों पर बदमाशों ने किया हमला

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना अंतर्गत चादेराई गांव निवासी लवलेश लोधी अपने साथी विनय दुबे के साथ शनिवार रात्रि 9:00 बजे खाना खा कर ट्यूबवेल जा रहे थे तभी गांव के बाहर बाग में चार की संख्या में घात लगाए बदमाशों को किसानों ने टोका दिया इस बात से भन्नाए बदमाशों ने दोनों किसान युवकों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया लवलेश के चेहरे पर धारदार हथियार से हमला किया जिससे वह लहूलुहान हो गया बीच-बचाव करने आए विनय को भी बदमाशों ने पीठ में चापड़ से हमला कर दिया दोनों लहूलुहान हो गए दोनों युवक जैसे ही घर पहुंचे तो परिजनों में हड़कंप मच गया मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने दोनों गंभीर घायल को जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया है घटना की सूचना पर पुलिस को दी गयी है पुलिस बदमाशों की सुराग में जुटी हुई है।

सांसद एवं डीएम ने स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

सांसद ने स्वस्थ्य बालक-बालिका प्रमाण पत्र किया वितरित कहा देश के निर्माण में आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकत्रियों का अहम योगदान

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते सांसद

कौशाम्बी। सांसद विनोद सोनकर एवं जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने नवीन मंडी समिति, ओसा में राष्ट्रीय पोषण माह के अन्तर्गत आयोजित स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया तथा स्वस्थ्य बालक-बालिका प्रमाण-पत्र 200 बच्चों को वितरित किया। इस अवसर पर सांसद द्वारा बच्चों को अन्नप्राशन एवं गर्भवती महिलाओं की गोदभराई भी किया गया सांसद ने उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्बोधित करते हुए महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 8 मार्च 2018 को राष्ट्रीय पोषण माह अभियान की शुरूआत की गई थी। उन्होंने कहा कि देश में कुपोषण को समाप्त करने में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का अहम योगदान है। उन्होंने गत माह संचालित राष्ट्रीय पोषण माह को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में अहम योगदान के लिए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई दी उन्होंने कहा कि स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा कार्यक्रम प्रधानमंत्री द्वारा प्रेरित है प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों से कहा था कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा का आयोजन कराये जिससे कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर, उन्हें सुपोषित बनाया जा सके। सांसद ने कहा कि आगामी वर्ष जिस आंगनवाड़ी केन्द्र का बालक या बालिका स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा में प्रथम आएगी, उस आंगनवाड़ी केंद्र में सांसद निधि से रुपए 05 लाख से कार्य कराया जायेंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री समाज के सभी वर्गों के कल्याण एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है उन्होंने कहा कि बच्चे राष्ट्र का धरोहर है, अगर देश को मजबूत बनाना है तो बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराकर स्वस्थ रखना होगा सांसद ने सभी से कहा कि अपने बच्चों का समय-समय पर टीकाकरण करायें एवं समय से आंगनवाड़ी केंद्र व स्कूल भेजे उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कायकत्री बच्चों को मां की तरह दुलारती है एवं उनका देखभाल करती हैं तथा एक श्रेष्ठ नागरिक बनाने में अहम योगदान करती है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय रुपए 10 हजार करने के लिए निरंतर प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के निर्माण में आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकत्रियों का अहम योगदान है इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश गुप्ता सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण तथा पूर्व विधायक शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल जितेन्द्र सोनकर प्रेम चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संपादकीय

मैली गंगा, देश चंगा!

पतित-पावन गंगा नदी तमाम सरकारी और गैरसरकारी प्रयासों के बावजूद मैली की मैली है। केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों को गंगा की लहरों पर कचरा बहाने वाले नाकाम कर रहे हैं। गंगा हिमालय में गंगोत्री से निकल कर वाराणसी होती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है। इसके तट पर हजारों शहर और गांव बसे हैं। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) गंगा की दशा पर लगातार आंसू बहा रहा है। एनजीटी ने 13 जुलाई, 2017 को गंगा की सफाई पर दिए अपने फैसले में गंभीर टिप्पणी की थी। एनजीटी ने कहा था कि सरकार ने गंगा को शुद्ध करने के लिए पिछले दो साल में 7,000 करोड़ रुपये खर्च किए। लेकिन गंगा नदी के जल की गुणवत्ता में रत्तीभर सुधार नहीं दिखा। एनजीटी ने फैसले में कहा था-'आगे अब और इंतजार करने की कोई गुंजाइश नहीं बची है।' मार्च 2017 तक 7304.64 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद केंद्र, राज्य सरकारें और उत्तर प्रदेश राज्य के स्थानीय प्राधिकरण गंगा नदी की गुणवत्ता में सुधार कर पाने में विफल रहे। ऐसी चिंता पहली बार नहीं जताई गई। बावजूद इसके केंद्र सरकार गंगा की सफाई के लिए गंभीर और प्रतिबद्ध दिख रही है। तभी तो स्वच्छ गंगा मिशन के तहत उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 1,145 करोड़ रुपये की 14 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। यह सीवेज प्रबंधन, औद्योगिक प्रदूषण उन्मूलन, जैव विविधता संरक्षण, वनीकरण, रिवर फ्रंट विकास और विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार से संबंधित परियोजनाएं हैं। इनमें पांच मुख्य गंगा बेसिन राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से संबद्ध सीवेज प्रबंधन की आठ परियोजनाएं भी इसमें हैं। एनजीटी इस मुद्दे पर लगातार चिंता जता रहा है। कुछ माह पहले ही कहा था कि दशकों तक निगरानी के बावजूद लगभग 50 प्रतिशत गैरशोधित (अनट्रीटेड) सीवेज और उद्योगों के गंदे पानी को अभी भी गंगा में छोड़ा जा रहा है। गैर अनुपालन और लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफलता के विरुद्ध राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन कड़े कदम उठाने की स्थिति में नहीं दिखता। एनजीटी अध्यक्ष जस्टिस आदेश कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने राष्ट्रीय गंगा परिषद से 14 अक्टूबर (सुनवाई की अगली तिथि) से पहले कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। पीठ ने कहा है कि गंगाजल की गुणवत्ता मानदंडों के अनुसार होनी चाहिए क्योंकि इसका उपयोग न केवल नहाने के लिए, बल्कि आचमन (प्रार्थना या अनुष्ठान से पहले पानी की घूंट लेना) के लिए भी होता है। गंगा की सफाई के लिए देश में सत्याग्रह भी हो चुके हैं। इस मुद्दे पर 2011 में अनशन पर बैठे स्वामी निगमानंद ने अपने प्राण त्याग दिए थे। उन्होंने 115 दिन तक पानी भी नहीं पीया था। ...और 2018 में 11 अक्टूबर को पर्यावरणविद् प्रो. जीडी अग्रवाल उर्फ स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद का लंबे अनशन के बाद 86 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया था। उन्होंने 112 दिन तक अनशन किया था। जीडी अग्रवाल कानपुर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के फैकल्टी मेंबर थे। उन्होंने हरिद्वार स्थित मातृ सदन के संत ज्ञानंद से दीक्षा ली थी और गंगा को अविरल बनाने के लिए लगातार कोशिश करते रहे। उनकी मांग थी कि गंगा और इसकी सहायक नदियों के आसपास बन रहे हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के निर्माण को बंद किया कर गंगा संरक्षण प्रबंधन अधिनियम लागू किया जाए।

कांग्रेस: फिर चक्का जाम

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

मल्लिकार्जुन खड़गे अब कांग्रेस के अध्यक्ष बनेंगे, यह तो तय ही है। यदि अशोक गहलोत बन जाते तो कुछ कहा नहीं जा सकता था कि कांग्रेस का क्या होता? गहलोत को राजस्थान के कांग्रेस विधायकों के प्रचंड समर्थन ने महानायक का रूप दे दिया था लेकिन गहलोत भी गजब के चतुर नेता हैं, जिन्होंने दिल्ली आकर सोनिया गांधी का गुस्सा ठंडा कर दिया। उन्हें अध्यक्ष की खाई में कूदने से तो मुक्ति मिली ही, उनका मुख्यमंत्री पद अभी तक तो बरकरार ही लग रहा है। अध्यक्ष बनने के बाद खड़गे की भी हिम्मत नहीं पड़ेगी कि वे गहलोत पर हाथ डालें। गहलोत और कांग्रेस के कई असंतुष्ट नेता भी उम्मीदवारी का फार्म भरनेवाले खड़गे के साथ-साथ पहुंच गए। यानी समस्त संतुष्ट और असंतुष्ट नेताओं ने अपनी स्वामिभक्ति प्रदर्शित करने में कोई संकोच नहीं किया। यह ठीक है कि शशि थरूर और त्रिपाठी ने भी अध्यक्ष के चुनाव का फार्म भरा है लेकिन सबको पता है कि इनकी हालत वही होगी जो, 2000 में जितेंद्र प्रसाद की हुई थी। उन्होंने सोनिया गांधी के विरुद्ध कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ा था। चुनाव के दिन दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में वे मेरे साथ लंच कर रहे थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मेरा हारना तो तय है तो कुछ समय आपके साथ ही आनंदपूर्वक क्यों नहीं बिताया जाए? यही हाल शशि थरूर का भी होनेवाला है। हालांकि उन्होंने पहले दिग्विजय सिंह, अशोक गहलोत और अब खड़गे के बारे में बहुत ही गरिमामय ढंग से बात की है। 22 साल बाद होनेवाले इस चुनाव से क्या कांग्रेस के हालात कुछ बदलेंगे? क्या यह डूबता हुआ सूरज फिर ऊपर उठ पाएगा? यह जाम हुआ चक्का क्या फिर चल पाएगा? कुछ भी कहना कठिन है, क्योंकि कांग्रेस पर मां-बेटा राज तो अब भी पहले की तरह जोर से चलता रहेगा। हालांकि खड़गे अनुभवी और सुसंयत नेता हैं और उन्हें कर्नाटक की विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा में रहने के अनेक अवसर मिले हैं लेकिन कर्नाटक के बाहर उन्हें कौन जानता है? आम जनता की बात तो अलग है, कांग्रेस कार्यकर्ता भी उन्हें ठीक से नहीं जानते। यह ठीक है कि जगजीवन राम के बाद वे ही पहले दलित हैं, जो कांग्रेस अध्यक्ष बनेंगे। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने पहले रामनाथ कोविंद और अब द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर पहले ही नहले पर दहला मार रखा है। कांग्रेस का भाग्योदय अगर होता है तो वह नौकर-चाकरों के भरोसे नहीं हो सकता। उसके मालिकों को गर्व होना चाहिए कि उन्हें ऐसी बगावत नहीं देखनी पड़ रही है, जैसी इंदिरा गांधी ने देखी थी। मालिकों के इस दावे पर कौन भरोसा कर रहा है कि वे अध्यक्ष के इस चुनाव में निष्पक्ष हैं?

आओ त्योहारों से सीखें...!

सुनील कुमार महला

हमारा देश तीज त्योहारों का देश है। हमारे यहाँ सभी त्योहारों को बड़ी ही धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया जाता है। हमारी अटूट श्रद्धा और विश्वास हमारे त्योहारों में है और होना भी चाहिए, क्योंकि ये हमारी संस्कृति है। चाहे पापों का प्रायश्चित हो, धार्मिक सामाजिक स्नेह की भावना हो , बन्धन की कामना हो, सुखी जीवन व सौभाग्य की कामना हो, सुखी जीवन व सौभाग्य की कामना हो, सम्पूर्ण आकांक्षायें इन पर्वों,हमारे तीज त्योहारों में विद्यमान हैं। सच तो यह है कि हमें त्योहारों का संदेश समझना जरूरी है। त्योहार हमें मानवहीनता को त्यागकर मानवता का संदेश देते हैं। ये हमें आपसी भाईचारा, सद्भावना, आपसी सहयोग, तालमेल, प्रेम के साथ साथ त्याग की भावना, अच्छी सीख देते हैं। यदि त्योहार नहीं होते तो हमारा जीवन आनंदित नहीं होता। त्योहार हमें आनंदित करते हैं, खुशियां प्रदान करते हैं, हमें जीवन के मार्ग पर कैसे चलना है, सिखाते हैं। वास्तव में, हमारे देश की सभ्यता और संस्कृति दुनिया को इंसानियता की राह पर चलने का बोध कराती है , लेकिन अफसोस इस बात का है कि हमारे ही लोग अपने त्योहारों के संदेश , उनमें निहित नैतिकता, उनमें निहित शिक्षा और हमारे इतिहास को अनदेखा कर रहे हैं। वास्तव में, त्योहारों के अवसर पर दान देने, पुण्य करने, सत्कर्म या अच्छे कर्म करने की जो परंपरा है, उससे हमारे देश के सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने में मदद मिलती है । ये त्योहार ही होते हैं जो किसी भी मनुष्य के जीवन को हर्षोल्लास से भर देते हैं । इन त्योहारों से मनुष्य जीवन की नीरसता समाप्त होती है तथा जीवन में एक नवीनता, नयी उमंग, नया जोश, उत्साह, सकारात्मकता व सरसता का संचार होता है। आने वाले पांच अक्टूबर को दशहरा पर्व है, जो आश्विन शुक्ल दशमी को मनाया जाएगा। यह त्योहार भारतीय संस्कृति के वीरता का पूजक , शौर्य का उपासक है । व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। वैसे तो सभी को इस त्योहार के बारे में खूब जानकारी है लेकिन फिर भी जानकारी देना चाहूंगा कि त्रेता युग के रावण का अंत भगवान श्रीराम ने किया था। यह त्योहार असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है, इसीलिए इसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम , क्रोध , लोभ , मोह मद , मत्सर , अहंकार , आलस्य , हिंसा और चोरी जैसे अवगुणों को छोड़ने की प्रेरणा हमें देता है। लेकिन आज हमारी युवा पीढ़ी त्योहारों से कुछ सीख नहीं रही है, वह त्योहारों के अर्थ,हमारी संस्कृति सभ्यता से लगातार दूर होती चली जा रही है। आज हमें दशहरे से सीख लेने की आवश्यकता है। यह त्योहार हमें संदेश देता है कि बुरा व्यक्ति चाहे कितना ही बलवान व प्रभावशाली क्यों न हो उसका अंत सुनिश्चित है ।

मृत्यु पर भी विजय पाने वाले रावण का अंत कर मयार्दा पुरुषोत्तम राम ने अधर्म पर धर्म की विजय दिलाई। सभी त्योहार मानवता के लिए कोई न कोई संदेश लेकर आते हैं । हमारे त्योहार लोगों में परस्पर प्रेम व सद्भावना का संदेश देते हैं तथा जीवन में नवीन खुशियों व उल्लास का संचार करते हैं। सच तो यह है कि हमारे पर्व हमारी संस्कृति व सभ्यता की पहचान हैं । अधर्म पर धर्म की, असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक यह त्योहार संपूर्ण विश्व को धर्म और सत्य के मार्ग को अपनाने की प्रेरणा देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम का महान चरित्र जनमानस को जीवन के महान नैतिक मूल्यों की अवधारणा हेतु प्रेरित करता है। हम यह कह सकते हैं कि यह त्योहार मनुष्य को प्रेम, भाईचारा व मानवता का संदेश देता है । आज के भौतिकवादी युग में जहाँ मनुष्यों में असंतोष की प्रवृत्ति व स्वार्थ लोलुपता बढ़ती ही जा रही है, इन त्योहारों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है । अतः यह हम सभी का नैतिक दायित्व है कि हम अपनी इस गौरवशाली परंपरा को कायम रखें। आज हमारे अंदर जो रावण लालच , लोभ , लालसा , मोहमाया , क्रोध , स्वार्थ , हेराफेरी , बेईमानी , अनैतिकता , अशिष्टाचार , झूठ , फरेब के रूप में कहीं न कहीं विद्यमान है, उन सभी का अंत करने बारे में हम कभी नहीं सोचते हैं । यही कारण है कि आज हमारे समाज , देश और दुनिया में गलत कामों की बढ़ोतरी होती जा रही है , जिसे पाप, अनैतिक कर्म,गलत काम की परिभाषा दे सकते हैं । अगर धरती पर पाप ऐसे ही बढ़ता गया तो वह दिन दूर नहीं, जब स्वर्ग जैसी धरती नरक बन जाएगी।

दशहरा ही नहीं हमें हर त्योहार, हर पर्व को मनाने का मतलब ज्ञात होना चाहिए और हमें त्योहारों में निहित संदेश,आदर्शों, प्रतिमानों, मूल्यों को ग्रहण करने का प्रयास करना चाहिए और उन्हें अपने जीवन में उतारना चाहिए। बहरहाल, दशहरे पर्व पर लिखी कविता प्रस्तुत है-

"आज अलसुबह दरवाजे पर आहट हुई
टकटक...टकटक...!
मैंने नींद में ऊंघते हुए पूछा "कौन है ?
अंदर आ जाओ।"
आवाज आई ' मैं हूँ '
मैंने कहा " मैं कौन ?"
वह बोला " मुझे नहीं पहचाना ? मैं दशानन, दसशीश !
"मैंने कहा -" तुम फिर से आ गए !
"प्रकृति थम जाती है
बरफ की बरफ जम जाती है
सदियों की सदियों पर धूल बिखर जाती है
वक्त की छाती पर बैठकर लेकिन तुम आना नहीं भूलते
और हर साल देश-दुनिया में पुतला बनकर तुम हो झूलते...!
बारिश रूक जाती है,
तूफां रूक जाते हैं !
लेकिन हे लंकेश ! तुम कभी नहीं थमते,
कभी नहीं रूकते,
कभी नहीं मरते !
जलते-जलते कभी नहीं थकते
तुम्हारी अकड़ है कि जाती ही नहीं
तुम्हारा अहंकार है कि मरता ही नहीं
हे रावण ! तू तो डरता ही नहीं
फूंकने के बाद भी तुम तो
गली गली,मोहल्ले मोहल्ले खड़े हो
बुत बनकर जगह जगह सीमेंट से जड़े हो
तुम्हारी हंसी का तमाशा देखने हर साल
अनगिनत लोग चले आते हैं
तुम्हारे प्रशंसकों की कतार लंबी प्रतीत होती है
ये "अहंकार के खतरनाक बीज" आखिर
तुम लाते कहाँ से हो ?
न तुम जलते हो, न मेघनाथ ही जलता है,
और न ही कुंभकर्ण...!
तुम तो प्रस्फुटित ही होते रहते हो
और हम बावरे "मनुष्य"
सारा दोष हम तुम पर ही मंढ़ते हैं
खुद को रावण कहलाने से बचते हैं
काम भले ही सारे रावण सरीखे करते हैं।
यहाँ गली गली रावण बिखरे हैं, रावण से बढ़कर दोषी न जाने कितने घने हैं...!
आतंकवाद, नक्सलवाद क्या रावण नहीं है ?
जो न जाने कितनी मांओं की गोद उजाड़ रहा ?
कितनी सुहागिनों का सिंदूर लील रहा ?
कितनी बहनों के भाईयों को छीन रहा ?
अबोध बच्चियों का बलात्कार, दहेज,
भ्रष्टाचार सब रावणस्वरूप ही तो हैं...!
धन, पद और अपने ओहदे का दुरूपयोग
सब रावण ही तो हैं नैतिक, सामाजिक
मूल्यों पर कड़ा प्रहार क्या रावण नहीं है ?
लोभ-लालच,झूठ, वासना,अहंकार, स्वार्थ
निरे रावण हैं...!
छल-कपट और धोखा...रावण हैं...!
तुम सब जगहों पर इस्तेमाल होते हो हे रावण !
तुम तो कमाल हो
पुतले के रूप में ही नहीं, तुम बेमिसाल हो
अहिंसा, चोरी-डकैती, लूटपाट, हर तरफ बेईमानी के जाल बिछे हैं।
जाति,धर्म, मजहब, भाषा, लिंग,समुदाय के नाम पर देखो न कितने मानव लड़े भिड़े हैं
?ये सब तुम्हारे भाई-बंधु तुम्हें ढंग से जलने भी नहीं देते
कि तुम साल-दर-साल फिर से सुलग उठते हो
तुम्हारे अंदर की चिंगारी भड़क उठती है
तुम हंसने लगते हो,
तुम्हारा ठहाका भय पैदा कर देता है
एक दुधमुंहे बालक में भी
हे रावण ! तुम्हें हमारे दर पर आने की, टहलने की,
चहलकदमी करने की
आखिर क्या जरूरत है ?
तुम तो हे रावण ! हमारे सब के भीतर हो
अब पेट नहीं पलते,
राम-राज्य भी नहीं चलते
चलते हैं तो बस तुम्हारे "रूतबे"
क्यों कि हे रावण ! तुम हृदय की गहराईयों में उतर चुके हो...!"
हमें भय लगता है,
हम सब में खौफ उतरता है...!तुम्हारा आतंकी स्वर रह रहकर गूंज रहा है...!
अनुशासन फिर से टूट रहा है
वो देखो ! आसमां में धूल का गुबार फूट रहा है
पटाखों की खड़खड़ाहट भी है
आज फिर से हर तरफ मानव रावण फूंक रहा है
कागजी रावण फुंक सकता है
लेकिन
फूंकना चाहिए "मन का रावण"
और मुझे ये बात अच्छी तरह से पता है
कि जब तक हम मनुष्यों के मन का रावण नहीं फुंकेगा
तब तक तुम
हर साल हर सुबह के साथ
यूं ही
आते रहोगे
अब समझ में आया कि
दस सेहरा आखिर मरता क्यों नहीं है ?
तो आइए हम अपने रावणरूपी अहंकार, रावणरूपी बुराई का अंत करें और वास्तव में यह तभी संभव हो सकता है जब मनुष्य अपने मन के रावण का खात्मा कर देगा।

गैरों पे सितम,अपनों पर करम ?

तनवीर जाफरी

भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशा निर्देश एवं डिजिटल मीडिया नैतिकता संहिता) नियम 2021 के प्रावधानों के तहत गत 23 सितंबर को जारी एक निर्देश द्वारा एक बार फिर कथित तौर पर धार्मिक समुदायों के बीच घृणा फैलाने के इरादे से कंटेंट में छेड़छाड़ करने और फर्जी खबरें प्रसारित करने वाले 10 यूट्यूब चैनल्स से 45 वीडियो को बैन करने का निर्देश दिया गया है।" सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार पर,इन्हें प्रतिबंधित किया गया है। सरकार द्वारा बताया जा रहा कि प्रतिबंधित की गयी इन सामग्री को 1 करोड़ 30 लाख से अधिक बार देखा भी जा चुका है। सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है यू ट्यूब चैनल्स के प्रतिबंधित वीडिओज में धार्मिक समुदायों के बीच नफरत फैलाने के इरादे से फैलाई गई फर्जी खबरें और मॉर्फ्ड वीडियो शामिल थे। सरकार के अनुसार प्रतिबंधित वीडियो 'सरकार ने कुछ समुदायों के धार्मिक अधिकारों को छीन लिया है', जैसे झूठे दावे करते थे। यह धार्मिक समुदायों के खिलाफ हिंसक धमकियां, भारत में गृह युद्ध की घोषणा जैसी फेक खबरें प्रसारित करते थे। जिनसे देश में सांप्रदायिक वैमनस्य और सार्वजनिक अव्यवस्था हो सकती थी, इसलिए इन्हें प्रतिबंधित किया गया है। सरकार के अनुसार चूंकि यह सामग्री राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे देशों के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंधों के नजरिये से झूठी और संवेदनशील मानी गई लिहाजा इन्हें प्रतिबंधित करने का फैसला लिया गया। इससे पूर्व गत 18 अगस्त 2022 को भी भारत सरकार ने कथित तौर पर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले 102 यूट्यूब चैनल और फेसबुक अकाउंट को प्रतिबंधित किया था तथा कथित तौर पर भारत विरोधी प्रोपगेंडा चलाने वाले यूट्यूब चैनल्स पर बड़ी कार्रवाई की थी। उस समय सरकार द्वारा कुल 8 चैनल्स को प्रतिबंधित किया गया था। सवाल यह है कि पहले लगाये गये प्रतिबंधों और ताजातरीन प्रतिबंध से इस तरह के घृणित व नकारात्मक प्रसारण में कोई कमी आई भी है? या अब आने की संभावना है ? बेलगाम टी वी चैनल्स,अनियंत्रित सोशल मीडिया,अर्थ का अनर्थ करते हमारे आज के आधुनिक टी वी ऐंकर्स तथा फेक न्यूज प्रसारण तथा धार्मिक समुदायों के बीच घृणा फैलाने वाले टी वी चैनल्स से तो आम जनता ही नहीं बल्कि हमारे देश की अदालतें भी दुखी हैं। देश का सर्वोच्च न्यायालय विभिन्न टेलीवीजन चैनल्स पर नफरत फैलाने वाले भाषणों को लेकर नाराजगी जताते हुए सरकार से अभी कुछ दिन पहले ही पूछ चुका है कि -' क्या सरकार मूक दर्शक है और क्या केंद्र का इरादा विधि आयोग की सिफारिशों के अनुसार कानून बनाने का है या नहीं? सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि विजुअल मीडिया का विनाशकारी प्रभाव हुआ है और किसी को भी इस बात की परवाह नहीं है कि अखबारों में क्या लिखा है, क्योंकि लोगों के पास (अखबार) पढ़ने का समय नहीं है। टीवी बहस के दौरान एंकर की भूमिका का उल्लेख करते हुए अदालत ने कहा था कि यह प्रस्तोता की जिम्मेदारी है कि वह किसी मुद्दे पर चर्चा के दौरान नफरती भाषण पर रोक लगाए। न्यायालय ने इस मामले में सरकार की ओर से उठाये गये कदमों पर असंतोष भी जताया था और यह मौखिक टिप्पणी भी की थी कि - सरकार मूक दर्शक क्यों बनी बैठी है? माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने न्यूज चैनल्स में होने वाली बहस की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए इस पर भी नाराजगी जाहिर करते हुये टीवी चैनल्स को फटकार लगा चुकी है। कोर्ट ऐसे न्यूज चैनल्स को भड़काऊ बयानबाजी का प्लेटफार्म बता चुकी है। न्यायालय के अनुसार टीवी चैनल बिना रेगुलेशन के हेट स्पीच का जरिया बन गए हैं। अदालत यह भी कह चुकी है कि- राजनेताओं ने इसका सबसे अधिक फायदा उठाया है और टेलीविजन चैनल उन्हें इसके लिए मंच देते हैं। इसी बहस के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने भी साफ साफ कहा था कि चैनल और राजनेता ऐसी हेट स्पीच से ही चलते हैं। चैनलों को पैसा मिलता है इसलिए वे दस लोगों को बहस में रखते हैं। उस समय माननीय न्यायालय ने कहा कि था कि मुख्य धारा के मीडिया व सोशल मीडिया चैनल्स बिना रेगुलेशन के हैं। एंकर की जिम्मेदारी है कि बहस में कोई भड़काऊ बात न हो, लेकिन एंकर ऐसा नहीं करते। इससे सख़्ती से निपटा नहीं जा रहा है।जि एंकर की जिम्मेदारी तय होनी चाहिये। अगर किसी एंकर के कार्यक्रम में भड़काऊ कंटेंट होता है, तो उसको ऑफ एयर किया जाना चहिए और जुमार्ना लगाना चहिए। तभी अदालत ने सरकार से पूछा था कि -इस मामले में सरकार मूकदर्शक क्यों बनी हुई है? क्या यह एक मामूली मुद्दा है?

परन्तु चाहे वह अदालती तल्ख टिप्पणियां हों या सरकार द्वारा उठाये जाने वाले कदम,देखा यही जा रहा है कि मुख्य धारा के टी वी चैनल्स विशेषकर सत्ता से जुड़े या सत्ता का वरद हस्त प्राप्त या लालची टी वी चैनल्स अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अभी भी अपना बेशर्मी भरा प्रसारण जारी रखे हुए हैं। इन्हें न तो देश की शांति सद्भावना से वास्ता है न भारतीय मीडिया की विदेशों में चौपट होने वाली छवि से न ही पड़ोसी देशों से भारत के रिश्ते की फिक्र। अभी पिछले ही दिनों इसी गपोड़ी मीडिया ने चाइनीज राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बारे में चिल्ला चिल्ला कर देश को क्या कुछ नहीं बता डाला। किसी ने उन्हें नजरबंद कर दिया तो कोई फांसी पर लटकाने लगा, किसी ने बीजिंग को सेना के हवाले कर दिया। रूस-यूक्रेन युद्ध भी वहां से ज्यादा इसी भारतीय प्रोपगैंडिस्ट मीडिया द्वारा लड़ा गया। इन्होंने तो रूस-यूक्रेन के मध्य परमाणु युद्ध तक करा डाला था। आज देश में साम्प्रदायिकता के दुर्भायपूर्ण विस्तार और धार्मिक आधार पर नफरत फैलाने में इसी गोदी मीडिया की अहम भूमिका है।

इन सतही,पक्षपात पूर्ण व चुनिंदा प्रतिबंधों के साथ साथ जरूरी यह भी है कि सरकार ऐसे गैर जिम्मेदार टी वी चैनल्स को भी प्रतिबंधित करे जो टी आर पी में अग्रणी होने के बावजूद सिर्फ समाज में अपना विभाजनकारी एजेंडा परोसते हैं।

चाहे उन चैनल्स का स्वामित्व किसी का भी हो और चाहे वे कोई भी विचारधारा रखते हों। केवल ऐसी एकपक्षीय व आधी अधूरी कार्रवाई से तो यही सन्देश जायेगा कि सरकार की यह कार्रवाई गैरों पे सितम, अपनों पर करम जैसी ही है।

क्यों याद रखें राष्ट्रपिता और शास्त्रीजी को!

डॉ. प्रभात ओझा

इसमें कोई शक नहीं है कि सोशल मीडिया ने आमजन के मुद्दों पर लामबंदी करने का बेहतरीन काम किया है। साथ ही इस सच्चाई से कौन इनकार कर सकता है कि इस मंच पर आने वाले अधकचरे ज्ञान ने समाज का बड़ा नुकसान भी किया है। इसी कारण ह्यव्हाट्स ऐप यूनिवर्सिटी का ज्ञानङ्क जैसा जुमला भी चल पड़ा है। दरअसल, सोशल मीडिया ऐसा माध्यम है, जहां संपादक नाम की संस्था नहीं होती। परिणाम यह है कि किसी व्यक्ति के मन की भड़ास एक झटके में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। वह सच है अथवा नहीं, तत्काल इसका पता नहीं लगाया जा सकता। यह जाने बिना फारवर्ड करने की प्रवृति के बहुत से शिकार हो जाया करते हैं। कथित भड़ास किस हद तक जहरबुझी हो सकती है, उससे हम-आप आए दिन दो-चार होते ही हैं। आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के द्वितीय प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर इस तरह की भूमिका का कारण इस लेखक का अपना ही अनुभव है। स्टेशनरी की एक दुकान में गांधीजी का कोई प्रसंग आने पर दुकानदार बोल पड़ा कि इस गांधी के वंशजों ने देश का बड़ा नुकसान किया है। जानकार समझ सकते हैं कि दुकानदार अज्ञानी था। वह गांधीजी के पुत्रों-पौत्रों सहित अन्य वंशजों की जगह किन्ही अन्य गांधी को राष्ट्रपिता का वंशज मान बैठा है। ऐसे में जिम्मेदार लोगों का दायित्व बनता है कि एक तो वह लोगों को समझाएं कि नाम के साथ काम भी देखा जाना चाहिए। दूसरे राष्ट्रपिता के रास्ते कोई कभी भी चल सकता है। अब जबकि हम गांधी को अपना नायक मानने को तैयार हैं, तो उनके अनुसरण का भी प्रयास जरूर होना चाहिए। संतोष की बात है कि सरकार के स्तर पर ऐसा किया जाता है। फिर भी कुछ अधूरा सा लगता है। इस अधूरेपन को जनसहभागिता की जरूरत है। पिछले कुछ वर्षों में आए आंकड़े संतोषजनक हैं। दुनियाभर में पीडब्ल्यूसी के एक सर्वे के मुताबिक वैश्विक स्तर पर बड़ी कंपनियों के सीईओ (मुख्य कार्याधिकारी) जिन हस्तियों से सबसे अधिक प्रभावित हैं, उनमें महात्मा गांधी भी शामिल हैं। पीडब्ल्यूसी ने अपने एक सालाना सर्वेक्षण में दुनियाभर के एक हजार 400 सीईओ से पूछा था कि वे सबसे अधिक किस नेता को पसंद करते हैं। जवाब में विन्सटन चर्चिल, एप्पल के सह संस्थापक स्टीव जाब्स और महात्मा गांधी के नाम लिए गए। आज 80 से अधिक देशों में महात्मा गांधी की प्रतिमाएं लगी हैं। अमेरिका में 30 प्रतिमाएं अलग-अलग शहरों में स्थापित हैं। वॉशिंगटन में एंबेसी रो पर भारतीय दूतावास के सामने गांधीजी की प्रतिमा का अनावरण सन् 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। लंदन के टेविस्टोक स्क्वेयर पर, स्पेन के बुर्गस शहर में भी महात्मा गांधी की प्रतिमा है, तो कनाडा के विनीपेग शहर में महात्मा गांधी के नाम पर एक सड़क है। अमेरिकी कांग्रेस में महात्मा गांधी को दुनियाभर में स्वतंत्रता और न्याय का प्रतीक बताकर प्रस्ताव रखने की ऐतिहासिक घटना याद होगी। तब वहां भारत के राष्ट्रपिता की 140वीं जयंती मनाने की गुजारिश की गई थी। अमेरिका में बापू की प्रसिद्धि का ही प्रमाण है कि ऐतिहासिक मानवाधिकार रैली की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर वॉशिंगटन में एक कंसर्ट का आयोजन किया गया। गांधीवाद से प्रेरणा लेने वाले बीसवीं सदी के नेताओं में मार्टिन लूथर किंग जूनियर, दलाई लामा और डेसमंड टूटू जैसे व्यक्ति शामिल हैं। रंगभेद के आधार पर दुनियाभर में अन्याय के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक बने नेल्सन मंडेला ने तो पूरी तरह गांधीजी का ही अनुकरण किया। दुनियाभर में गांधीजी से प्रेरणा लेने वाले और उनके रास्ते पर चलने वालों की अपने यहां भी कमी नहीं रही। विस्तार में जाने की जगह आज दो अक्टूबर पर लालबहादुर शास्त्री का स्मरण भी उचित होगा। देश के प्रधानमंत्री होकर भी आम देशवासियों की तरह जीवन व्यतीत करने का ही संकल्प था कि उन्होंने अपने लिए पहनने के कपड़े भी जरूरत के हिसाब से बहुत कम रखे। कुर्ते और धोती फटने पर पत्नी को सुई-धागा से सिल देने को कहने के शास्त्री जी के कई संदर्भ हैं। प्रधानमंत्री बनने के पहले जब वे रेलमंत्री थे, यात्रा में रखे दोनों कुर्ते फटे निकले। पता चलने पर शास्त्री जी ने एक की मदद से दूसरे कुर्ते को ठीक करा लिया। यह देश के संसाधनों के हिसाब से खर्च करने और बचत का उदाहरण था। रेलमंत्री की तो कुर्सी भी उन्होंने एक दुर्घटना होने पर छोड़ दी थी, क्योंकि वे उसका सुचारु संचलान खुद की नैतिक जिम्मेदारी मानते थे। अमेरिका से पीएल-480 के गेहूं नहीं मिलने की धमकी पर उन्होंने देशवासियों से एक समय व्रत रखने का आह्वान किया। ऐसी अपील करने के पहले उन्होंने खुद भी ऐसा शुरू करने की जानकारी दी। गांधी और उनके दूसरे आदर्शों के साथ अहिंसा के समर्थक शास्त्रीजी ने देश की रक्षा के लिए न केवल अपना संकल्प जताया, बल्कि कम साधनों के बावजूद भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाकर पड़ोसी को करारी मात भी दी।

सीमा पर लड़ने के लिए रोबोट उतारे'

संजीव ठाकुर

समरकंद से लौटने के बाद चीन के तानाशाह सी जिनपिंग की कोई खबर ही नहीं है' कुछ समाचार न्यूज एजेंसी उसके नजर बंद होने की खबर बता रहीं हैं और कुछ उसके फिर से शक्तिशाली होने के कयास लगा रहे हैं' चीन में मीडिया पर कंट्रोल इतना सशक्त है कि वहां से कोई भी खबर निकालना न्यूज एजेंसिओं के लिए लोहे के चने चबाने जैसी है' पर यह तो तय है की चीन के इरादे भारत के प्रति स्वतंत्रता के पश्चात से ही खराब रहे हैं और वर्तमान में भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। कुछ समय पहले तक अमेरिका की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बादशाहत मानी जाती थी, अब चीन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में बहुत तेजी से काम किया है । वह अक्साई चीन में भारत की सीमा पर कंपा देने वाली ठंड और कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र में मुकाबला करने के लिए रोबोट का सहारा ले रहा है। चीन की एजेंसियों के अनुसार चीन अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए मशीन का सहारा लेकर बॉर्डर पर लड़ाई लड़ने वाला है। अमेरिका इस रोबोट के ट्रायल स्तर पर ही पहुंच पाया है । चीन उससे दो कदम आगे चलकर रोबोट को सिमा पर पहुंचा रहा है। सारी मशीनों को एलओसी पर तैनात किया गया है । जहां पर भारत और चीन के 50-50 हजार सैनिक तैनात किए जा चुके हैं। चीन ने वायरलेस तरीके से चलने वाला हल्की मशीन गन से लैस मूल 200 को तैनात किया है जो मानव रहित सप्लाई वाहन है इसमें हथियार भी ले जाया जा सकता है । चीन ने लगभग 200 मूले को तिब्बत में भेजा गया है।

हादसों में कमी को चिन्हित करें ब्लैक स्पाटः सांसद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर सांसद आरके सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द व भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे ने एनसीसी व स्काउट गाइड के छात्रों को हरीझण्डी दिखाकर सडक सुरक्षा जागरूकता रैली का शुभारम्भ किया।

रविवार को पटेल तिराहा में सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि आज दो महापुरुष गांधी व शास्त्री के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री की अगुवाई में सेवा पखवाडा 17 से दो अक्टूबर के समापन पर सडक सुरक्षा जागरूकता रैली से सडक हादसों में कमियां आयेंगी। स्कूल, कालेजों में पुलिस व परिवहन विभाग अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करे। हादसे वाले क्षेत्रों में सांकेतिक बोर्ड लगायें।

जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने कहा कि सडक सुरक्षा सरकार व शासन के महत्वपूर्ण निदेर्शों में से हैं। जागरूकता न होने से जनहानि हो रही है। कल कानपुर में बडा हादसे में कई परिवार के लोगों की जानें गई हैं। उन्होंने पुलिस व परिवहन विभाग से अपील किया कि जिला विद्यालय निरीक्षक से तालमेल कर इंटर कालेज, डिग्री कालेज में अभियान चलायें। मुख्य मार्ग में जांच अभियान चलाकर लोगों को समझायें कि हादसे से बचें। दीवाली मेला में असुरक्षित ढंग से यात्रा कर रहे लोगों को हादसों से बचने के उपाय बतायें। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी विवेक शुक्ला ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत कर सडक सुरक्षा नियमों की जानकारी दी इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक बलिराज राम, सीओ सिटी हर्ष पाण्डेय, यातायात सीओ एसपी सोनकर, यातायात प्रभारी योगेश कुमार यादव की अगुवाई में पटेल तिराहा से ट्राफिक चैराहा होते हुए एलआईसी तिराहा से पटेल तिराहा में रैली का समापन हुआ। इस मौके पर एडीएम कुंवर बहादुर सिंह, एडीएम न्यायिक वन्दिता श्रीवास्तव, एएसडीएम राजबहादुर, भाजपा नेता पंकज अग्रवाल, शक्ति प्रताप सिंह तोमर, राजकुमार त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

शहर में निकली स्वच्छता संदेश गांधी यात्रा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व देश के प्रधानमंत्री स्व लालबहादुर शास्त्री जयंती पर भव्य स्वच्छता संदेश शपथ कार्यक्रम व्यापारी व भाजपा नेता शानू गुप्ता की अगुवाई में विशाला गांधी यात्रा निकाली गई।

रविवार को विशाला गांधी यात्रा का शुभारम्भ कामतानाथ प्रमुख द्वार के महंत मदनगोपाल दास महाराज व अधिवक्ता अशोक गुप्ता तथा भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे और समाजसेवी/राष्ट्रीय महामंत्री संगठन शानू गुप्ता की अगुवाई में स्वच्छता संदेश गांधी यात्रा शहर में विभिन्न स्थानों से होते हुए निकाली गई। नगरवासियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। स्वच्छता गांधी यात्रा हाथी, घोडा, बैंडबाजा के साथ पुरानी कोतवाली से ट्राफिक चैराहा होते हुए शम्भू पेट्रोल पम्प के पास अधिवक्ता अशोक गुप्ता के निवास पर समाप्त हुई।

समापन पर समाजसेवी शानू गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी के आजादी का सपना राजनैतिक आजादी नहीं था, बल्कि स्वच्छ-सुन्दर विकसित भारत की कल्पना थी। सर्वस्वच्छता का संकल्प लेकर दुनिया में भारत को सर्वश्रेष्ठ बनायें। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनायें। इस मौके पर खासतौर पर वरिष्ठ डॉ सीताराम गुप्ता, प्रमोद जायसवाल, प्रदेश संगठन मंत्री विनोद केशरवानी, सुनील हड्डू गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुनील जायसवाल, शकुन्तला गुप्ता, शेषू जायसवाल, हीरामनि जायसवाल समेत सैकडों की तादाद में व्यापारीगण व व्यापारी नेता मौजूद रहे।

अग्रसेन जयंती में विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे प्रतिभागी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अग्रवाल समाज ने अग्रसेन जयंती पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रियदर्शनी अग्रवाल व रश्मि अग्रवाल को दो प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंकिता अग्रवाल ने दो प्रतियोगिताओं में तीसरा व उनकी बेटी श्रेया ने भी अलग-अलग प्रतियोगिताओं में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

रविवार को अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल समाज ने सेठ रामनाथ रामकिशुन धर्मशाला में मेंहदी, आरती थाल, रंगोली, कुर्सी दौड, एक मिनट गेम, बच्चों की फैंसी डेज्स, तकिया पासिंग, चित्रकला, डांस समेत मेधावी छात्र सम्मान प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किये गये। प्रथम स्थान पाने वाली प्रियदर्शनी अग्रवाल के पति अमित अग्रवाल ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से महिलाओं व बच्चों को हुनर दिखाने का मौका मिलता है। एक-दूसरे से प्रेरणा भी मिलती है। सीनियर कुर्सी दौड व एक मिनट गेम में प्रियदर्शनी अग्रवाल प्रथम, मेंहदी व रंगोली में रश्मि प्रथम रहीं। आरती थाल में तन्वी अग्रवाल ने बाजी मारी। फैंसी डेज्स में देवांग व दिव्यांशी आकर्षण के केन्द्र रहे। ये बच्चे अग्रसेन व महालक्ष्मी बने थे। इसी प्रतियोगिता में तेजस्व को द्वितीय व विवान अविरल को तृतीय स्थान मिला। आरती थाल में श्वेता द्वितीय, रेनू तृतीय, मेंहदी में उन्नति द्वितीय, श्रेया तृतीय, रंगोली में नीलिमा द्वितीय, अंकिता तृतीय, सीनियर महिला में पूजा व अंकिता द्वितीय व तृतीय रहीं। एक मिनट गेम में प्रिया व रानी द्वितीय व तृतीय एवं तकिया पासिंग खेल में दीपाली प्रथम, माधुरी द्वितीय व रश्मि तृतीय रहीं। कुर्सी दौड जुनियर श्रेया प्रथम, हरि अग्रवाल तृतीय रहे। चित्रकेला सीनियर में शेव्या कशिश, अर्पिता, क्रमशः प्रथम, द्वितीय रहीं। इसी प्रकार चित्रकला जूनियर में श्रेया पुत्री पंकज अग्रवाल प्रथम, श्रेया पुत्री रोहित अग्रवाल द्वितीय, वात्सल्य पुत्र रचित अग्रवाल तृतीय, सांत्वना पुरस्कार विवान पुत्र रचित अग्रवाल को मिला। डांस प्रतियोगिता जूनियर व सीनियर में सबसे ज्यादा कांटे की टक्कर देखने को मिली। सीनियर डांस में प्रथम स्थान उदित, द्वितीय शैवी, तृतीय स्थान मान्या व प्रभु रहे। जूनियर डांस प्रतियोगिता में मानसी प्रथम, संस्कृति द्वितीय व विवान तृतीय रहे। मेधावी छात्र सम्मान में उन्नति अग्रवाल पुत्री प्रवीण अग्रवाल, राजेश्वरी पुत्री संजय अग्रवाल, श्यामेश जैन पुत्र योगेश जैन, श्यामल जैन पुत्र देवेश जैन, अनमोल जैन पुत्र अरविन्द जैन को शील्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रेम दुर्गा प्रसाद, बनवारी लाल, महेश जैन, अतुल, राजीव, पंकज, सुनील, संजय, अरुणा, नीलम, रागनी, श्वाती, छवि, गीता, संतोष वंसल, संध्या, भावना जैन, रानू, नीति, शिप्रा आदि ने पुरस्तार बांटे। मीडिया प्रभारी अमित अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिषेक, आयुष, सिद्धार्थ, अर्जुन, कामद, स्वर्णिम, राहुल, निशांक, दीपक, अतुल, नमन, गौरव, अंशुल, रोहित, गौरव जैन, हर्ष, शुभसिंघल, राघव, अर्पित व मनोज का योगदान रहा।

सेवा पखवाड़ा के अन्तिम दिन मनी गांधी व शास्त्री जयंती

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाडा के अन्तिम दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व देश के पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर भाजपा जिला कार्यालय में हुई गोष्ठी में सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि गांधी ने सत्य अहिंसा के रास्ते पर चलकर देश को आजाद कराया। चम्पारण सत्याग्रह, डांडी सत्याग्रह, अंग्रेजो भारत छोडो आन्दोलन ने ब्रिटिश हुकूमत की नींव दिलाने का काम किया। उन्होंने लालबहादुर शास्त्री के भारत-पाक युद्ध में सेना को खुली छूट देने के ऐतिहासिक फैसले का जिक्र कर कहा कि तांशकंद का समझौता भी अभूतपूर्व फैसला था। प्रधानमंत्री जयंती पर स्वच्छता अभियान के तहत कसहाई गांव में हुई गोष्ठी की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे ने की। गोष्ठी में गांव के बुजुर्गों को खादी के वस्त्र बांटे गये। स्वच्छता अभियान के तहत जिले के खिलाडियों को पुरस्कृत किया।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आनन्द त्रिपाठी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दिव्या त्रिपाठी, श्रीमती अंजू वर्मा, राखी चैबे, विनीता द्विवदी, शिवाकान्त पाण्डेय, आलोक पाण्डेय, हरिओम करवरिया, शक्ति प्रताप सिंह तोमर, राजकुमार त्रिपाठी आदि भाजपाई मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने गांधी-शास्त्री को किया याद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर कांग्रेसियों ने गांधी-शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर याद किया।

रविवार को कांग्रेस जिला कार्यालय में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव/चित्रकूट मप्र के विधायक नीलांशु चतुवेर्दी व जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने कांग्रेस की पूर्व प्रत्याशी रंजना बरातीलाल पाण्डेय की मौजूदगी में रामनिरंजन कुशवाहा व समर्थकों को कांग्रेस की सदस्यता दिलाते हुए कहा कि राहुल गांधी की अगुवाई में कन्याकुमारी से भारत की ओर यात्रा की शुरूवात हुई थी। कर्नाटक पहुंचते-पहुंचते पदयात्रा में लाखों लोगों का कारवां बढ रहा है। झूंठ बोलकर सत्ता पाने वाली भाजपा के राज में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के नाम पर जनता लुट रही है। सोनिया, राहुल व प्रियंका की अगुवाई में एक-एक कांग्रेसी संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गांधी व शास्त्री के बताये मार्ग पर कांग्रेस चल रही है। कांग्रेस की सरकार बनने पर पूरे देश में पुरानी पेंशन बहाली की जायेगी। किसान, मजदूर, व्यापारी के हितों की रक्षा करने वाली कांग्रेस निकाय चुनाव में मजबूती से प्रत्याशी उतारकर परचम लहराने का काम करेगी। इस मौके पर कांग्रेस नेता शिवगुलाम वर्मा, महेन्द्र सिंह पटेल, जगजाहिर पटेल, धीरु पटेल, अरुण गुप्ता, चुनबाद प्रसाद, भोला नामदेव, धर्मेन्द्र वर्मा, नन्दकिशोर, मीना देवी, आशा देवी आदि मौजूद रहे।

पांच साल से अधूरा सीवर दीपावली बाद होगा शुरू

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पांच साल से अधूरे पड़े चित्रकूट (मध्य प्रदेश) के सीवर प्रोजेक्ट का दीपावली बाद फिर शुभारंभ होगा। विभाग ने ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट कर-के नए ठेकेदार को अब यह काम सौंपा हैं। मंदाकिनी नदी के प्रदूषण की रोकथाम की दिशा में सीवर मील का पत्थर साबित होने वाली योजना है। रविवार को बुन्देली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश क्षेत्र की बड़ी गंदगी मंदाकिनी में गिरती है। सरयू नाले में मप्र का सीवर प्लांट बना है। जब सीवर बनकर शुरू हो जाएगा तो मंदाकिनी नदी को बड़ी राहत मिलेगी। अभी आए दिन मंदाकिनी में मप्र की गंदगी ही यूपी क्षेत्र में संचालित सम्पवेल से गिराई जाती है। 28 करोड़ की लागत से वर्ष 2017 में चित्रकूट (मध्य प्रदेश) के सीवर प्रोजेक्ट का कार्य शुरू हुआ था। 25 फीसदी काम करने के बाद ठेकेदार ने काम ठप्प कर दिया। वर्ष 2019 में सीवर बनकर शुरू होने का लक्ष्य था। अब विभाग ने ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट कर दूसरे ठेकेदार को काम सौंपा है। दीपावली के बाद युद्धस्तर पर सीवर प्रोजेक्ट का काम शुरू होगा। सीवर शुरू करने को बुन्देली सेना ने मुख्यमंत्री और शासन में तमाम पत्राचार किए थे। अब सीवर में काम शुरू होने की सूचना पर अजीत सिंह ने मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान के प्रति आभार जताया है।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के बाद गृह मंत्री अमित शाह से मिले बजरंग पुनिया

नई दिल्ली। ओलंपिक और विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सर्बिया के बेलग्रेड में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के बाद उनकी गृह मंत्री से यह पहली मुलाकात थी। बजरंग ने इस साल बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीता था। बजरंग ने ट्वीट किया, देश के विख्यात गृह मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात हुई, खेलों पर चर्चा करके बहुत अच्छा लगा, हमेशा आपका आशीर्वाद मिलता रहे, उनके द्वारा दिया गया मार्गदर्शन हमेशा देश के लिए बेहतर करने की प्रेरणा देता है। जय हिन्द, जय भारत। भारतीय पहलवान और ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया ने हाल ही में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2022 में पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में प्यूर्टो रिको के सेबेस्टियन सी रिवेरा को हराकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने रिवेरा को 11-9 से हराया। हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवान ने वीपीओ1-अंक और प्रतिद्वंद्वी के स्कोर के आधार पर जीत हासिल की। 2013 में कांस्य के साथ अपनी यात्रा शुरू करते हुए, चैंपियनशिप में पुनिया का यह चौथा पदक है।

यह 2022 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत का दूसरा पदक था, पहला पदक विनेश फोगट ने जीता था। चैंपियनशिप 10 सितंबर से शुरू हुई और 18 सितंबर को समाप्त हुई।

राष्ट्रीय खेल : अभिषेक पाल और पारुल चौधरी ने 5,000 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण

गांधीनगर। उत्तर प्रदेश के अभिषेक पाल और पारुल चौधरी ने अपने राज्य के लिए 5,000 मीटर दौड़ में पुरुष व महिला स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर यहां राष्ट्रीय खेलों में अनूठा डबल पूरा किया। पारुल चौधरी अपने प्रदर्शन से खुश थीं लेकिन अभिषेक पाल थोड़ा निराश नजर आए, हालांकि उन्होंने सर्विसेज के करित कुमार और सावन बरवाल के साथ-साथ मौजूदा चैम्पियन जी. लक्ष्मणन की कड़ी चुनौती पर पार पाकर खिताबी जीत हासिल की।

स्वर्णिम जीत के बाद उन्होंने खुलासा किया कि उनकी निगाहें स्वर्ण जीतने के साथ गेम्स रिकॉर्ड पर भी थीं। उन्होंने कहा, मैं जीत से खुश हूं लेकिन फिर भी निराशा हूं। अभिषेक पाल ने 14:07.25 सेकेंड का समय दर्ज किया, जो 13:50.05 के खेल रिकॉर्ड से काफी दूर था। 25 वर्षीय धावक ने कहा, हां, मैं रिकॉर्ड पर नजर गड़ाए हुए था। लेकिन मैं एशियाई चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों जैसी प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं।'

खाका खींचते हुए कहा, 'मैं राष्ट्रीय शिविर के फिर से शुरू होने से पहले एनसीओई में अपना स्थान सुरक्षित करना चाहता हूं।'

उन्होंने अपने कारणों का खुलासा करते हुए कहा, '2015 में, जब मैं भोपाल में स्पोर्ट्स अथोरिटी ऑफ इंडिया नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) में शामिल हुआ, तब मेरे करियर के ग्राफ ने ऊपर की ओर जाना शुरू कर दिया था।'

धावकों के परिवार से ताल्लुक रखने वाले अभिषेक पाल ने सात साल पहले तिरुवनंतपुरम में राष्ट्रीय खेलों में 5,000 मीटर की दौड़ में पांचवें स्थान पर रहने के बाद से एक लंबा सफर तय किया है। वह अप्रैल 2019 में एशियाई चैम्पियनशिप की 5,000 मीटर दौड़ में पांचवें और 10,000 मीटर दौड़ में सातवें स्थान पर थे। और अब, अपने पास अधिक अनुभव होने के साथ ही उन्हें विश्वास है कि वह अगली महाद्वीपीय मीट में पोडियम पर चढ़ सकते हैं। अभिषेक पाल की राज्य साथी व लंबी दूरी की धाविका पारुल चौधरी, हालांकि, अपने पहले राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण से खुश थीं क्योंकि उन्होंने 16:34.68 के समय के साथ गोल्ड जीता है।

पारुल ने कहा, 'हालांकि मैंने गति पर ज्यादा काम नहीं किया था, लेकिन मुझे विश्वास था कि अगर मैं सबसे आगे दौड़ने वाली रनर्स के करीब रहूंगी, तो मैं अंत तक तेज दौड़ने में सक्षम हो जाऊंगी, भले ही फ्रंट-रनिंग कोई भी हो।' पिछले जुलाई में ओरेगॉन में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के बाद से मेरठ के 27 वर्षीय धाविका ऑफ सीजन में है। हालांकि उत्तराखंड की अंकिता ध्यानी, महाराष्ट्र की कोमल जगदाले, हरियाणा की भारती और हिमाचल प्रदेश की सीमा ने बारी-बारी से बढ़त बनाई, लेकिन पारुल चौधरी ने अंतिम 200 मीटर में रफ्तार बढ़ाकर अपनी प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। अभिषेक पाल को गेम्स रिकॉर्ड तोड़ने का एक और मौका मिलेगा, जब वह सोमवार को 10,000 मीटर में हिस्सा लेंगे। पारुल चौधरी 3,000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ में दूसरे स्वर्ण के लिए दौड़ेंगी।

केन्द्रीय मंत्री ने म्योहाल के स्वर्णजयंती खेल महोत्सव का किया शुभारम्भ

प्रयागराज। केन्द्रीय मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार अनुराग ठाकुर ने ऐतिहासिक म्योहाल क्रीड़ा संकुल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्णजयंती खेल महोत्सव के अवसर पर विभिन्न खेल की प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार खेलों को आगे बढ़ाने के सभी प्रयास कर रही है और खिलाड़ियों को सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के मार्ग में कोई भी बाधा आड़े नहीं आने दी जाएगी। युवाओं विशेषकर अभावों और गरीबी में पले बढ़े बच्चों में खेलों के प्रति जज्बा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि खेलों के लिए लगन और कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। उन्होंने खिलाड़ियों से देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।इस अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण, उप्र गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि मंत्री जी के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने सिर्फ ओलम्पिक में ही नहीं बल्कि राष्ट्रमण्डल खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। खेल के बजट में बढ़ोतरी की गई है।

खेलों में विशेषकर महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से पदक विजेताओं को सरकारी नौकरी देने का फैसला किया गया है तथा डाइट को बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद पहला खेल विश्वविद्यालय मेरठ को मिला है। इस अवसर पर सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने मंत्री के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मंत्री युवा है और खिलाड़ी इनकी ऊर्जा से प्रेरित होकर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नए मुकाम हासिल किए है। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री से प्रयागराज में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम व खिलाड़ियों के लिए एक उच्च सुविधाओं से युक्त छात्रावास की मांग की। सांसद केशरी देवी पटेल ने केन्द्रीय मंत्री से प्रयागराज में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम व खिलाड़ियों के लिए एक उच्च सुविधाओं से युक्त छात्रावास की मांग की। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने कहा कि म्योहाल के 16 वर्षों में काफी बदलाव हुआ है और कुछ चीजें रह गयी है, वे भी धीरे-धीरे बदल जायेंगी। उन्होंने ग्रीन फील्ड स्टेडियम व स्पोर्टस अथॉरिटी का सेंटर खोले जाने की मांग की।

विक्रमसिंघे ने कोलंबो में प्रमुख सरकारी भवनों को सुरक्षा क्षेत्र घोषित करने के आदेश पर यू-टर्न लिया

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कोलंबो में प्रमुख सरकारी भवनों को उच्च सुरक्षा क्षेत्र घोषित करने के आदेश पर यू-टर्न लिया है। राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने एक विशेष राजपत्र जारी किया, जिसमें पिछले सप्ताह के आदेश को रद्द कर दिया। राष्ट्रपति ने यह कदम विपक्ष और देश के मानवाधिकार प्रहरी के लगातार दबाव के बाद उठाया है।

23 सितंबर को विक्रमसिंघे ने संसद, सुप्रीम कोर्ट परिसर और राष्ट्रपति सचिवालय को उच्च सुरक्षा क्षेत्र घोषित कर दिया था और इसके परिसर के आसपास किसी भी तरह के विरोध या आंदोलन पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह कदम, जिसे कई लोग लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (ख्लज्ञ्ञ्क्ष) के दिनों में लगाए गए प्रतिबंधों की वापसी के रूप में देख रहे थे, जिसमें ऐसे प्रमुख स्थानों पर आत्मघाती विस्फोट हुए थे। उस समय दिए आदेश में प्रमुख सरकारी भवनों के आसपास कारों की पार्किंग पर भी रोक लगा दी गई थी। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी एक विशेष गजट अधिसूचना के अनुसार, राजपत्र संख्या 2299/71 में राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि

वह उक्त आदेश को रद्द कर रहे हैं। 23 सितंबर को जारी एक अधिसूचना में, राष्ट्रपति सचिवालय ने प्रमुख सरकारी भवनों के इलाकों को उच्च सुरक्षा क्षेत्र घोषित किया था। अधिसूचना में कहा गया था कि संसद के आसपास के क्षेत्रों, सुप्रीम कोर्ट परिसर, कोलंबो में स्थित हाई कोर्ट परिसर, कोलंबो में मजिस्ट्रेट कोर्ट परिसर और अटॉर्नी जनरल के विभाग, राष्ट्रपति सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, श्रीलंका नौसेना मुख्यालय और पुलिस मुख्यालय को उच्च सुरक्षा क्षेत्र घोषित किया गया है। इसमें रक्षा मंत्रालय और संसद के पास स्थित श्रीलंका सेना मुख्यालय, श्रीलंका वायु सेना मुख्यालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, प्रधानमंत्री का आवास और रक्षा मंत्रालय के सचिव और तीनों बलों के कमांडरों के आधिकारिक निवास भी शामिल हैं।

अधिसूचना के अनुसार, उच्च सुरक्षा क्षेत्रों के रूप में घोषित क्षेत्रों में विरोध-प्रदर्शन और सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जबकि किसी भी निर्दिष्ट स्थान के आसपास वाहन पार्किंग की भी अनुमति नहीं थी। विक्रमसिंघे का यू-टर्न मुख्य विपक्षी पार्टी समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के निरंतर दबाव के बीच आया, जिसने आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।श्रीलंका के मानवाधिकार आयोग ने भी इस कदम की निंदा की थी और इसे अवैध बताया था।

हुबेई के पूर्व गवर्नर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित

बीजिंग। मध्य चीन के हुबेई प्रांत के पूर्व गवर्नर काओ गुआंगजिंग को भ्रष्टाचार के आरोप में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और अन्य सार्वजनिक कार्यालयों से निष्कासित कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पार्टी अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के आरोप में निष्कासित किया गया है। सीपीसी की 20वीं कांग्रेस से पहले कुछ माह से चल रहे उच्चस्तरीय सरकारी अधिकारियों और मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई के क्रम की यह ताजा कड़ी है।

चीनी मीडिया के मुताबिक, काओ सत्ताधारी पार्टी की प्रांतीय सरकार के पार्टी सदस्यों के समूह में भी रहे हैं। जांच में पता चला कि काओ ने आदर्श छोड़कर राजनीतिक अटकलें लगानी शुरू कर दीं। अपने खिलाफ जांच शुरू करने का भी उन्होंने विरोध किया। कमाया। नियमों का उल्लंघन कर उन्होंने न्यायिक मामलों में भी हस्तक्षेप किया। इससे पूर्व,

पार्टी के आठ सूत्रीय मितव्ययिता निर्देशों का उल्लंघन कर चाओ ने उपहार और पैसा स्वीकार किया।

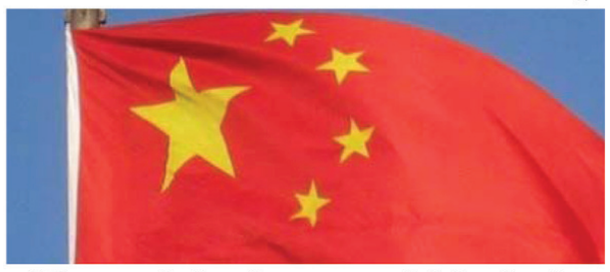

उन्होंने कई पार्टियों और दौरों का भी लुत्फ उठाया और बदले में अपने लाभ पहुंचाया। पार्टी ने कहा, काओ ने सत्ता का उपयोग व्यक्तिगत हित में किया और पैसा भ्रष्टाचार विरोधी कई अभियान चलाने वाले देश के पूर्व न्याय मंत्री फू झेनघुआ को पिछले हफ्ते रिश्वत लेने के आरोप में जेल भेज दिया गया था। 1.17 करोड़ युआन रिश्वत लेने के आरोप में उन्हें दो साल विलंबित मौत की सजा सुनाई गई थी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग विरोध की आवाज दबाने के लिए इंटरनेट पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं, जो सीपीसी की सत्ता के लिए खतरा हो सकता है। शी 'स्मार्ट गवर्नेंस' की ओर बढ़ रहे हैं, जिसका अर्थ है कि वह सामाजिक और राजनीतिक नियंत्रण से भी ऊपर होंगे। स्मार्ट गवर्नेंस' साइबरस्पेस प्रशासनिक कार्य में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) और क्लाउड कंप्यूटिंग आदि से संबंधित है, जिसके अंतिम उद्देश्य तकनीकी से एआई प्रशासन में हस्तांतरण है। हिंद-प्रशांत रणनीतिक संचार केंद्र के शोधकर्ता विनु धारुनेश जे. का कहना है कि दुनिया की बड़ी सैन्य शक्ति साइबर सुरक्षा पर नियंत्रण कर उस खतरे से निपटाना चाहती है, जो है ही नहीं।

भारत-अजरबैजान रिश्ते भू-राजनीतिक मतभेदों के बावजूद रहेंगे सहयोगात्मक

बाकु। पाकिस्तान के साथ गहराते संबंधों के बावजूद अजरबैजान इस बात को लेकर सचेत है कि यह भारत के साथ रिश्तों की कीमत पर नहीं हो। भारत और अजरबैजान ने कई भू-राजनीतिक मतभदों के बावजूद सहयोग की शुरुआत की है। हालांकि भारत ने अजरबैजान को ब्रिक्स की बैठक में आमंत्रण से परहेज किया। लंदन के अजरबैजानी दूतावास पर चार अगस्त को शिया कट्टरपंथी समूह के हमले के बाद उसने एनएएम देशों के साथ अजरबैजान के घोषणापत्र पर खुद तो हस्ताक्षर किए ही नहीं, भूटान को भी रोक दिया। न्यू ईस्टर्न यूरोप पत्रिका में छपे लेख में बाकू के टोपचुबास्होव केंद्र के शोधकर्ता महाम्मद माम्माडोव ने यह बात कही। दोनों देशों के बीच मतभेद मुख्यतया नागोर्नो-कराबाख और कश्मीर मुद्दे पर कूटनीतिक रुख के कारण हैं, लेकिन नई दिल्ली और बाकु के बीच तेजी से बढ़ते आर्थिक रिश्तों के कारण यह लंबे समय तक चलने वाला नहीं। भारत ने कराबाख पर सैद्धांतिक रुख बरकरार रखते हुए आर्मेनिया के पक्ष में खड़ा होना चुना है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने अजरबैजान से आक्रामकता रोककर तत्काल लड़ाई बंद करने को कहा है। उधर, पाकिस्तान के साथ अजरबैजान की सहभागिता अच्छे दौर में है। दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास और सेना को शिक्षित करने के अभियान चल रहे हैं।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर लगाए गए पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण अजरबैजान और भारत को मौका मिला है कि वह मतभेदों को परे रखकर एक-दूसरे को लाभ पहुंचाने वाले क्षेत्रों में सहयोग करें। वर्ष 2022 के पहले छह माह के दौरान भारत अजरबैजान का चौथा सबसे बड़ा निर्यात साझीदार है।

उत्तर कोरिया ने एक सप्ताह में चौथी बार मिसाइल परीक्षण किया

उत्तर कोरिया। उत्तर कोरिया ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। उसके पड़ोसी देशों ने यह जानकारी दी। इस सप्ताह यह चौथी बार है जब उत्तर कोरिया ने हथियारों का परीक्षण किया है, जिसकी उसके विरोधियों ने कड़ी निंदा की है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक यियोल ने उत्तर कोरिया के हथियार कार्यक्रम की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया की परमाणु हथियारों की ''सनक'' उसके अपने लोगों की पीड़ा को बढ़ा रही है तथा उन्होंने ऐसे हथियारों के इस्तेमाल पर दक्षिण कोरिया तथा अमेरिकी सेनाओं की ओर से ''अत्यधिक कड़ी प्रतिक्रिया'' मिलने को लेकर आगाह किया। यून ने सशस्त्र सेना दिवस समारोह में

कहा, ''उत्तर कोरिया ने पिछले 30 वर्ष में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निरंतर आपत्ति के बावजूद परमाणु तथा मिसाइल हथियारों के लिए अपना फितूर नहीं छोड़ा है। परमाणु हथियारों का विकास उत्तर कोरियाई लोगों को और पीड़ा में डाल देगा।'' उन्होंने कहा, ''अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो उसे दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन तथा हमारी सेना की कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।'' यून की टिप्पिणियां उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को नाराज कर सकती हैं, जिन्होंने आरोप लगाया है कि यून की सरकार का नेतृत्व ''सनकी और गुंडे'' करते हैं। किम ने परमाणु निरस्त्रीकरण के बदले में मदद की यून की पेशकश पहले ही ठुकरा दी है। उत्तर कोरिया ने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की दक्षिण कोरिया की यात्रा तथा अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के बीच पांच साल में पहला पनडुब्बी रोधी प्रशिक्षण होने के बाद मिसाइल परीक्षण तेज कर दिए हैं।

हिजाब के बाद थाने में किशोरी से दुष्कर्म, प्र्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच संघर्ष में 36 की मौत

ईरान। ईरान में हिजाब के खिलाफ 22 वर्षीय कुर्द महिला महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत का विरोध अभी थमा भी नहीं कि एक पुलिस कमांडर द्वारा थाने में 15 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आ गया। महसा की मौत का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने इस मुद्दे पर जब पुलिस स्टेशन का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की तब दोनों पक्षों में हुए संघर्ष में चार रिवोल्यूशनरी गार्डों समेत 36 की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

यह घटना देश के दक्षिण-पूर्व में सुन्नी बहुल जाहेदान शहर की है। यहां की मक्की ग्रांड मस्जिद में जब प्रदर्शनकारी जुटे तो पुलिस ने उन्हें काबू करने के लिए गोलियां बरसा दीं। बलोचिस्तान के प्रांतीय गवर्नर होसेन मोदारेस खियाबानी ने पुलिस टकराव की पुष्टि की है। मस्जिद के अंदर से सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो में नमाजी बाहर निकलते हुए और फिर दौड़ते हुए दिख रहे हैं। साथ ही गोलियों

की स्पष्ट आवाज सुनाई दे रही है।

कर्नल खुचकजई था आरोपी

ईरान सरकार ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशन पर नियंत्रण किया। वे तीन पुलिस स्टेशनों पर कब्जा जमाने की फिराक में थे। कर्नल इब्राहिम खुचकजई नामक पुलिस कमांडर ने बच्ची से दुष्कर्म किया था।

पुलिस स्टेशन को किया आग के हवाले

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार गवर्नर होसैन मोदारेस खियाबानी ने कहा कि कुछ दंगाइयों ने नमाज के आड़ में पुलिस स्टेशन पर हमला कर दिया था। इस हमले में उन्होंने पत्थर और जलने वाले सामान पुलिस स्टेशन में फेंके और गोलीबारी भी की गई। हमलावरों ने चेन स्टोर समेत कई सार्वजनिक संपत्तियों में आग लगा दी और बैंकों और सरकारी सेंटर्स में तोड़फोड़ की।

किशोरी से दुष्कर्म ने आग में घी डाला

बलोचिस्तान नेशनल सॉलिडेरिटी पार्टी के महासचिव और दुबई स्थित ईरानी असंतुष्ट हबीबुल्लाह सरबाजी ने बताया कि प्रदर्शनकारी पहले ही हिजाब के विरोध में प्रदर्शन चल रहे थे। ऐसे में पुलिस कमांडर द्वारा थाने में किशोरी से दुष्कर्म की खबर के बाद प्रदर्शनकारी और उग्र हो गए। इस घटना ने आग में घी डाला। उधर, ईरान के सरकारी मीडिया ने प्रदर्शनकारियों को आतंकी व अलगाववादी बताते हुए उन पर पुलिस के ऊपर हथियार चलाने का आरोप लगाया है।

चार गार्ड सदस्य भी मारे गए

ईरान में विपक्षी नेता तसनीम के अनुसार यहां कम से कम 40 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं, इस बीच ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के चार सदस्य भी मारे गए।

बिना हिजाब के रेस्तरां में खाने वाली एक और महिला गिरफ्तार

ईरानी सुरक्षा बलों ने एक और महिला को बिना हिजाब के सार्वजनिक रूप से एक रेस्तरां में भोजन करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, डोन्या राड की बिना सिर ढंके एक अन्य महिला के साथ भोजन करने वाली तस्वीर सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार किया। राड की बहन ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने डोन्या से संपर्क किया और उसे थाने बुलाकर गिरफ्तार कर लिया और एविन जेल के वार्ड 209 में भेज दिया। यह जेल राजनीतिक असंतुष्टों की कैद के लिए कुख्यात है।

इंडोनेशिया में फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़, 174 लोगों की मौत

मलंग। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत के मलंग शहर में शनिवार रात फुटबॉल मैच के दौरान संघर्ष और उसके बाद मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या 129 से बढ़कर 174 हो गई है। मैच के बाद हुए विवाद को शांत कराने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। इसके चलते प्रशंसकों के बीच भगदड़ मच गई और ज्यादातर लोगों की मौत कुचले जाने के कारण हुई है।

पूर्वी जावा प्रांत के पुलिस प्रमुख निको अफिंटा ने बताया कि अरेमा एफसी और पसेर्बाया सुराबाया के बीच मैच समाप्त होने के बाद हारने वाली टीम के समर्थकों ने मैदान पर हमला किया था, जिसके बाद पुलिस बल ने हालात को संभालने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े थे। इसके बाद मची भगदड़ और दम घुटने से बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अपनी टीम की हार से निराश अरेमा के हजारों समर्थकों ने खिलाड़ियों और फुटबॉल अधिकारियों पर बोतलें तथा अन्य वस्तुएं फेंकीं। प्रशंसक कंजुरुहान स्टेडियम के मैदान पर उमड़ पड़े और उन्होंने अरेमा प्रबंधन से पूछा कि घरेलू मैचों में 23 वर्ष तक अजेय रहने के बाद टीम यह मैच कैसे हार गई।

स्टेडियम के बाहर भी हिंसा शुरू हो गई और दंगाइयों ने पुलिस के पांच वाहनों को फूंक दिया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, जिससे भगदड़ मच गई। फीफा ने फुटबॉल स्टेडियम में आंसू गैस के गोले छोड़ने पर प्रतिबंध लगा रखा है।

आंसू गैस से बचने के लिए सैकड़ों लोग निकास द्वार की ओर भागे, जिससे कुछ लोगों की दम घुटने और कुचलने से मौत हो गई। अराजकता की इस स्थिति में दो अधिकारियों समेत 34 लोगों की स्टेडियम में ही मौत हो गई। मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं।

पूर्वी जावा के पुलिस प्रमुख निको अफिंता ने रविवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने प्रशंसकों के पुलिस पर हमला करने पर आंसू गैस के गोले दागने से पहले एहतियाती कार्वाई भी की थी।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

Title UPHIN 29506

ऑफिस मो.: 9565333000

Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

प्रवक्ता ने कहा- नॉर्ड स्ट्रीम-2 पाइपलाइन में बाल्टिक सागर के नीचे गैस का रिसाव बंद है

कीव। रूस से यूरोप तक जाने वाली गैस पाइपलाइन नॉर्ड स्ट्रीम 2 से बाल्टिक सागर के नीचे हो रहा रिसाव अब बंद हो गया है। न्यूज एजेंसी ने एक प्रवक्ता के हवाले से यह जानकारी दी है। प्रवक्ता ने बताया कि गैस और पानी के दबाव के बीच संतुलन बनने से रिसाव अब बंद हो गया है।

नॉर्ड स्ट्रीम 2 ने कहा कि पानी के दबाव ने कमोबेश पाइपलाइन को बंद कर दिया है, तो हम यह कर सकते हैं अंदर की गैस अब बाहर नहीं जा सकती है।उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि पाइपलाइन में अभी भी गैस है। यह पूछे जाने पर कि पाइपलाइन में कितनी गैस बची है, लिसेक ने मजाकिया लहजे में कहा कि यह एक मिलियन डॉलर का सवाल है।

नॉर्ड स्ट्रीम-1 पाइपलाइन में हुआ रिसाव, जो काफी बड़ा था, की स्थिति के बारे में अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। नॉर्ड स्ट्रीम-1 और नॉर्ड स्ट्रीम-2 पाइपलाइन रूस को जर्मनी से जोड़ता है। यह फिलहाल भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बना

हुआ है क्योंकि मास्को द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमि देशों की ओर से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ संदिग्ध प्रतिशोध में यूरोप को गैस की आपूर्ति में कटौती कर दी गई है। दोनों पाइपलाइनें वर्तमान में परिचालन में नहीं हैं, फिर भी उन दोनों में गैस थी।

जारी एक डेनिश-स्वीडिश रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि पाइपलाइनों में रिसाव पानी के नीचे सैकड़ों किलोग्राम विस्फोटक पदार्थों में विस्फोट के कारण हुआ था। कई देशों ने कहा कि ÷सभी उपलब्ध जानकारी इस बात की ओर इशारा करती है कि वे विस्फोट जानबूझकर किए गए कार्य का परिणाम हैं। हालांकि विस्फोटों का स्रोत एक रहस्य बना हुआ है, मॉस्को और वाशिंगटन दोनों ने जिम्मेदारी से इनकार किया है।

पाइपलाइन में सभी छेद जो सोमवार को खोजे गए थे, बोर्नहोम के डेनिश द्वीप से दूर बाल्टिक सागर में हैं। दो छेद स्वीडिश विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में स्थित हैं, और दो अन्य डेनिश में स्थित हैं। लिसेक ने कहा कि नॉर्ड स्ट्रीम-2 ने शनिवार से पहले डेनिश ऊर्जा नियामक को सूचित किया था कि पाइपलाइन ने गैस का रिसाव बंद कर दिया है। तब डेनिश अधिकारियों ने कहा था कि पाइपलाइनों में गैस समाप्त होने तक रिसाव जारी रहेगा, जो रविवार तक होने की उम्मीद है।

स्वीडिश कोस्टगार्ड ने देर रात कहा था कि नॉर्ड स्ट्रीम 2 में लीक पाइपों में निहित गैस की कमी के कारण कमजोर होने के संकेत दिख रहा है। स्वीडिश विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में रिसाव के कारण समुद्र की सतह पर उबलते गैस का व्यास अब मात्र 20 मीटर (66 फीट) चौड़ा रह गया है, जो शुरुआत के व्यास से 10 गुना छोटा है। नॉर्ड स्ट्रीम-1 पर भी रिसाव कमजोर होना शुरू हो गया था, जिसकी सतह का व्यास 600 मीटर तक रह गया था, जो सोमवार को 900 से 1000 मीटर के बीच था।

मानसलजू बेस कैंप के पास फिर हुआ भारी हिमस्खलन, पिछले सप्ताह हुई थी दो पर्वतारोहियों की मौत

काठमांडू। नेपाल के मानसलू पर्वत बेस कैंप के पास एक बार फिर भारी हिमस्खलन हुआ। अभी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पिछले सप्ताह आए हिमस्खलन। में की मौत हो गई थी।

पिछले सप्ताह दो पर्वतारोहियों की हुई थी मौत

28 सितंबर को मानसलू पर्वत में हुए भारी हिमस्खलन से दो पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी। जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। इसमें अमेरिकी पर्वतारोही हिलारी नेल्सन भी मृत पाई गई। शिविर IV के ठीक नीचे के मार्ग में हिमस्खलन की चपेट में आने से ये घटना हुई। सेवन समिट ट्रेक्स, सटोरी एडवेंचर, इमेजिन नेपाल ट्रेक्स, एलीट एक्सपीडिशन और 8K एक्सपेडिशन के शेरपा पर्वतारोही इसमें घायल हुए थे।

लाइमैन पर यूक्रेन का दोबारा कब्जा, रूसी सैनिकों को पीछे हटना पड़ा, रूस ने तेज की बमबारी

कीव। यूक्रेनी बलों ने एक जवाबी कार्रवाई में रणनीतिक पूर्वी शहर लाइमैन के कई क्षेत्रों को फिर अपने कब्जे में ले लिया है। पांच से छह हजार रूसी सैनिकों को शहर से पीछे हटना पड़ा। रूस की समाचार एजेंसियों ने रूसी रक्षा मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी है। लाइमैन यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर और एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र खारकीव से 160 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। इसे रूसी नियंत्रण से वापस लेना यूक्रेन के लिए एक नई जीत है। उधर रूस ने यूक्रेनी क्षेत्र में फिर बमबारी तेज कर दी है। मालूम हो कि लाइमैन शहर रूसी सैनिकों के लिए जमीनी संचार और रसद दोनों के लिए एक प्रमुख परिवहन केंद्र के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण स्थल भी रहा है। अब रूस के हाथ से इसके निकल जाने से यूक्रेनी सैनिक लुहांस्क क्षेत्र में आगे तक बढ़ने की कोशिश कर सकते हैं जो रूस द्वारा शुक्रवार को एक जनमत संग्रह के जरिए अपनी भूमि में मिलाए गए चार क्षेत्रों में से एक है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के चार यूक्रेनी क्षेत्रों के रूसी संघ में विलय के ठीक दूसरे दिन रूस पर जपोरिझिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के महानिदेशक को अगवा करने का आरोप लगा है। यह आरोप यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा प्रदाता ने लगाया। कंपनी एनर्गोटम ने कहा कि रूसी सेना ने संयंत्र के प्रमुख इहोर मुराशोव का अपहरण कर लिया है। संयंत्र पर रूसी सैनिकों का कब्जा है। एनर्गोटम अध्यक्ष पेट्रो कोटिन ने कहा, रूसी सैनिकों ने मुराशोव की कार को रोका, उनकी आंखों पर पट्टी बांधी और फिर उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले गए।

राष्ट्रपति पुतिन ने दुनिया को पश्चिम की औपनिवेशिक नीति, भारत-अफ्रीका में लूटपाट, दास व्यापार व अमेरिकी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के बारे में याद दिलाया। उन्होंने पश्चिमी देशों की नियम आधारित विश्व व्यवस्था पर जोर को 'अव्वल दर्जे का धोखा' बताया और उनके 'दोहरे मानक' की निंदा की।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी और चेचन गणराज्य के नेता रमजान कादिरोव ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर लाइमैन पर यूक्रेन का फिर से कब्जा करने और रूसी सैनिकों की वापसी के मद्देनजर पुतिन को युद्ध के मैदान में कम विकिरण वाले परमाणु हथियारों का उपयोग करने की सलाह दी है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सीएनएन के हवाले से बताया है कि यूक्रेन में रूसी सेना को हार का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए राष्ट्रपति पुतिन पर परमाणु उपयोग करने का दबाव बढ़ता जा रहा है।

कादिरोव ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि ÷मुझे नहीं पता कि रक्षा मंत्रालय सर्वोच्च कमांडर-इन-चीफ को क्या रिपोर्ट करता है, लेकिन मेरी व्यक्तिगत राय है कि हमें सीमावर्ती क्षेत्रों में मार्शल लॉ घोषित करने और कम-प्रभाव वाले परमाणु हथियारों का उपयोग करने सहित अधिक कठोर उपाय करने की आवश्यकता है। यूक्रेन में पश्चिमी अमेरिकी समुदाय को ध्यान में रखते हुए हर निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं है।÷ चेचन नेता ने रणनीतिक शहर लाइमैन से रूसी सेना की वापसी के बीच रूसी जनरलों को भी फटकार लगाई और कहा कि क्रेमलिन के लिए कठोर कदम उठाने का समय आ गया है।